गोरखपुर, बुधवार
15 जनवरी 2025

नगर संस्करण

वर्ष :01 अंक : 37
मूल्य : 2 रूपए पृष्ठ :8

दैनिक जनस्पर्श

samachar.jansparsh@gmail.com | A Venture of Gahama Gahami Samachar | R.N.I NO: UPHIN/2024/90236

2 संभल मामले में योगी की नयी टिप्पणी...

3 शोध की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए कराएं...

5 योगी सरकार यूपी में बनाएगी नई धार्मिक...

बाबा गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाकर सीएम योगी ने की लोकमंगल की कामना

मकर संक्रांति-खिचड़ी पर्व तथा प्रयागराज महाकुंभ पर सीएम योगी ने दीं सभी नागरिकों को शुभकामनाएं

संवाददाता

गोरखपुर। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को ब्रह्म मुहूर्त में चार बजे गोरखनाथ मंदिर में नाथपंथ की विशिष्ट परंपरा के अनुसार शिवावतार महायोगी गोरखनाथ को विधि विधान से आस्था की पवित्र खिचड़ी चढ़ाई। इस अवसर पर उन्होंने भगवान गोरखनाथ से लोकमंगल, सभी नागरिकों के सुखमय और समृद्धमय जीवन तथा राष्ट्र कल्याण की प्रार्थना की। बाबा गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाने के बाद मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने सभी नागरिकों, संतों और श्रद्धालुओं को मकर संक्रांति की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। मीडियाकर्मियों से बातचीत में सीएम ने कहा कि मकर संक्रांति भारत के पावन पर्व और त्योहारों की श्रृंखला में जगतपिता सूर्य के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का एक उत्सव है। पूरे देश के अंदर अलग-अलग नामों

और स्वरूपों में आज सनातन धर्मावलंबी पूरी श्रद्धा के साथ इस आयोजन के साथ जुड़ते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश के अंदर उत्तर हो, दक्षिण हो, पूरब हो या पश्चिम हो, अलग-अलग नाम और रूपों में मकर संक्रांति पर्व को लोग मनाते हैं तथा उत्सव के साथ जुड़ते हैं। यह उत्सव भारत की सनातन धर्म की परंपरा में आनंद के क्षणों को एकजुटता और एकता के साथ आयोजित करने तथा अपनी खुशी के साथ पूरे समाज को जोड़ने का विशिष्ट और विराट आयोजन है। उन्होंने कहा कि पूरब के असम में बिहू के रूप में, पंजाब में लोहड़ी के रूप में, सुदूर दक्षिण में पोंगल के रूप में, बंगाल व महाराष्ट्र में तिलवा संक्रांति के रूप में तथा उत्तर भारत में खिचड़ी संक्रांति के रूप में इस महापर्व को श्रद्धालुजन आयोजित करते हैं। सीएम योगी ने कहा कि मकर संक्रांति के अवसर पर प्रदेश की पवित्र नदियों, सरोवरों में स्नान, दान-पुण्य का कार्यक्रम बड़े उत्साह के साथ प्रारंभ हो चुका है। यह मेरा सौभाग्य है कि गुरु गोरखनाथ की साधना स्थली पर बाबा के श्रीचरणों में खिचड़ी चढ़ाने का अवसर प्राप्त हुआ है। मकर संक्रांति की बधाई देने के साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संतों, श्रद्धालुओं को प्रयागराज महाकुंभ के पहले अमृत स्नान की भी बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि एक तरफ भगवान गोरखनाथ की पावन तपस्थली पर आस्था की खिचड़ी चढ़ाई जा रही है तो दूसरी ओर इस सदी का पहला महाकुंभ तीरथपति प्रयागराज में प्रारंभ हो चुका है।

ये है केजरीवाल जी की चमकती दिल्ली-पेरिस वाली: राहुल

एजेंसी

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी की सफाई को लेकर पूर्व सीएम और उनके सहयोगी दल अरविंद केजरीवाल पर कटाक्ष किया। गौरतलब है कि आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में सहयोगी दल अकेले चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस नेता ने अपने एक्स अकाउंट पर राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में गंदगी को दिखाते हुए एक वीडियो साझा किया। उन्हें यह कहते हुए सुना जा सकता है 'देखो दिल्ली देखो..चमकती हुई दिल्ली...पेरिस है पेरिस।'केजरीवाल पर निशाना साधते हुए गांधी ने याद दिलाया कि आप प्रमुख ने कहा था कि वह दिल्ली को साफ करेंगे, भ्रष्टाचार हटाएंगे और राष्ट्रीय राजधानी को पेरिस में बदल देंगे। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, "वास्तव में क्या हुआ - प्रदूषण के कारण कोई घूम नहीं सकता और महंगाई बढ़ रही है।" गांधी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने भ्रष्टाचार हटाने की बात की थी। क्या उन्होंने भ्रष्टाचार हटा दिया है? जैसे मीडिया के माध्यम से मोदी जी का प्रचार, एक के बाद एक झूठे वादे करना, वह (केजरीवाल) उसी रणनीति का पालन कर रहे हैं। इसमें कोई अंतर नहीं है। दिलचस्प बात यह है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि दोनों नेताओं के बीच कोई अंतर नहीं है और वे नहीं चाहते कि पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों को उनका उचित हिस्सा मिले। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पहली सार्वजनिक बैठक में केजरीवाल पर विशेष रूप से निशाना साधते हुए, गांधी ने कहा कि अअढ संयोजक राष्ट्रीय राजधानी में बढ़ते प्रदूषण, भ्रष्टाचार और मुद्रास्फीति के बावजूद "मोदी की प्रचार और झूठे वादों की रणनीति" का पालन कर रहे थे।

राज्य विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता को कमजोर कर रहे केंद्र और यूजीसी: विजयन

एजेंसी

नई दिल्ली। केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन ने मंगलवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) उच्च शिक्षण संस्थानों को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यूजीसी के ताजा मसौदा नियम इसके उदाहरण हैं, जो राज्य विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता को खतरे में डाल रहे हैं। विजयन ने कहा कि ये नियम राज्य विद्यालयों को स्वायत्तता देने वाले उन अधिनियमों का उल्लंघन करते हैं, जो निर्वाचित विधानसभा द्वारा बनाए गए थे। मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी राज्य के उच्च शिक्षा विभाग की ओर से उच्च शिक्षा पर आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद की।अपने संबोधन में विजयन ने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य को शिक्षकों की नियुक्ति के लिए न्यूनतम योग्यता जैसे मुद्दों पर कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा, राज्य सरकार इन नियमों का पालन करती है।

शिवराज ने की 'एक देश-एक चुनाव' की वकालत

विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में निभाएगा अहम भूमिका

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री और ग्रामीण विकास शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि 'एक देश, एक चुनाव' 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा। इसके साथ ही उन्होंने लोगों से इस प्रस्ताव का समर्थन करने का आह्वान किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़ी पत्रिका 'पांचजन्य' की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चुनाव के समय पूरी सरकारी मशीनरी ठप हो जाती है और बार-बार चुनाव होने से सरकारों के लिए जनहित में

फैसले लेने में बड़ी बाधा उत्पन्न होती है। संयुक्त संसदीय समिति की जांच के दायरे में एक साथ चुनाव कराने के प्रस्ताव के बारे में पूछे जाने पर शिवराज सिंह चौहान ने कहा, 'हमारे संविधान निमार्ताओं ने हर पांच साल में चुनाव कराने का प्रावधान किया था, लेकिन उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि अनुच्छेद 356 का इतनी बार दुरुपयोग किया जाएगा। 1968 तक चुनाव एक साथ होते थे, क्योंकि 1966 तक हर जगह कांग्रेस की सरकारें थीं। जब दूसरी पार्टियां सत्ता में आने लगीं, तो उन्हें गिरा दिया गया।' 'इस समय हर समय कोई न कोई चुनाव होता रहता है। अभी दिल्ली में चुनाव है, फिर बिहार में। राजनीतिक दल 365 दिन सिर्फ चुनाव की तैयारी में लगे रहते हैं, वे जनहित में काम नहीं कर पाते। पिछले साल झारखंड में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा के चुनाव प्रभारी रहे शिवराज सिंह चौहान ने कहा, 'कृषि मंत्री को अपना काम छोड़कर राज्य के चुनाव पर ध्यान देना पड़ता है...इससे कितना समय बर्बाद होता है।' उन्होंने कहा, 'क्या देश में चुनाव के अलावा कुछ नहीं होना चाहिए? लगातार होने वाले ये चुनाव भारत के विकास में सबसे बड़ी बाधा हैं।

आतिशी ने दाखिल किया नामांकन पत्र, कालकाजी सीट से लड़ रहीं चुनाव

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) की उम्मीदवार आतिशी ने मंगलवार को लाजपत नगर में जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय में कालकाजी सीट से आगामी विधानसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। दिल्ली में 70 विधानसभा क्षेत्रों के लिए चुनाव 5 फरवरी को होंगे और नतीजे 8 फरवरी को घोषित किए जाएंगे। 1998 से दिल्ली की सत्ता से बाहर बीजेपी ने चुनाव जीतने और 2013 से दबदबा बनाए रखने वाली अअढ की जगह लेने के लिए हर संभव प्रयास किया है। 2015 और 2020 में पिछले दो विधानसभा चुनावों में, अअढ ने भाजपा को क्रमशः तीन और आठ सीटों पर सीमित कर दिया। आतिशी कालकाजी विधानसभा क्षेत्र से नामांकन पत्र सोमवार को दाखिल नहीं कर सकीं। यह जानकारी आम आदमी पार्टी (आप) के एक नेता ने दी। मुख्यमंत्री आतिशी ने गिरि नगर स्थित एक गुरुद्वारे में मत्था टेकने के बाद आप के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया के साथ एक रोडशो किया और फिर नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय की ओर रवाना हुईं। हालांकि, रोडशो में देरी होने के कारण वह नामांकन पत्र दाखिल किए बिना ही अपराह्न तीन बजे अरविंद केजरीवाल समेत आप नेताओं के साथ निर्वाचन आयोग के अधिकारियों से मिलने के लिए आयोग के दफ्तर चली गईं।

अवैध घुसपैठ और आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा पाकिस्तान: राजनाथ

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के प्रधानमंत्री चौधरी अनवारुल हक की भारत पर की गई टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधा और कहा कि पीओके के बिना जम्मू कश्मीर अधूरा है। पाकिस्तान जम्मू कश्मीर को अस्थिर करने के लिए हर प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच 1965 में अखनूर में युद्ध हुआ था। भारत पाकिस्तानी सेना की कोशिशों को नाकाम करने में कामयाब रहा था। इतिहास में हुए सभी युद्धों में भारत ने हमेशा पाकिस्तान को हराया है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान 1965 से अवैध घुसपैठ और आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। हमारे मुस्लिम भाइयों ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ते हुए अपने जीवन का बलिदान दिया है। आज भी भारत में प्रवेश करने वाले 80% से अधिक आतंकवादी पाकिस्तान से होते हैं। उन्होंने कहा कि सीमा पार आतंकवाद 1965 में ही समाप्त हो गया होता, लेकिन तत्कालीन केंद्र सरकार युद्ध में प्राप्त सामरिक लाभ को रणनीतिक लाभ में बदलने में असमर्थ रही। राजनाथ सिंह ने कहा कि कश्मीर और देश के अन्य हिस्सों में दिलों के बीच बची-खुची दूरियां भी खत्म होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को इस दिशा में उठाए जा रहे कदमों के लिए बधाई देना चाहता हूं। सत्ता में आने के बाद हमने अपने प्रयासों को जमीनी स्तर पर ला दिया है। कश्मीर हमें प्रिय है और इस पर ज्यादा स्पष्टीकरण की जरूरत नहीं है। राजनाथ ने कहा कि हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता कश्मीर और देश के बाकी हिस्सों के बीच जो भी अंतर है उसे पाटना है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा इस दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं।

एक नज़र

पिता की पहली बरसी पर बेटा-बेटी की मौत, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

हाफिजगंज। उत्तराखंड के हल्द्वानी से बरेली लौटते वक्त एक कार हादसे ने भंडसर गांव के परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया। मंगलवार तड़के हाफिजगंज के सेंथल मार्ग पर कर्बला के पास उनकी कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में पलट गई। हादसे में भाई-बहन की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कार में सवार चार अन्य लोग घायल हो गए। हादसे का कारण कार चालक को नींद की झपकी आना बताया जा रहा है। मंगलवार को मृतक मुन्ने बख्श और उनकी बहन मुस्कीन के पिता की पहली बरसी थी।

थोक मुद्रास्फीति दिसंबर में बढ़कर 2.37 प्रतिशत

नयी दिल्ली। विनिर्मित उत्पादों की कीमतों में तेजी के कारण थोक मूल्य आधारित मुद्रास्फीति दिसंबर 2024 में बढ़कर 2.37 प्रतिशत हो गई। हालांकि, खाद्य वस्तुओं की कीमतों में कमी आई है। मंगलवार को जारी सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति नवंबर 2024 में 1.89 प्रतिशत थी। दिसंबर 2023 में यह 0.86 प्रतिशत रही थी। आंकड़ों के अनुसार, खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति दिसंबर 2024 में घटकर 8.47 प्रतिशत रह गई, जबकि नवंबर में यह 8.63 प्रतिशत थी। सब्जियों की मुद्रास्फीति नवंबर में 28.57 प्रतिशत के मुकाबले दिसंबर में 28.65 प्रतिशत रही। आलू की मुद्रास्फीति 93.20 प्रतिशत के उच्च स्तर पर बनी रही और प्याज की मुद्रास्फीति दिसंबर में बढ़कर 16.81 प्रतिशत हो गई।

राहुल-प्रियंका ने देशवासियों को दी मकर संक्रांति की शुभकामनाएं

नयी दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने देशवासियों को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं देते हुए सबकी खुशहाली की कामना की है। राहुल ने कहा, सभी को मकर संक्रांति, पोंगल, सुग्गी हब्बा, माघी, खिचड़ी, पौष पर्व, उत्तरायण, भोगाली बिहू और मकर विलक्कू की हार्दिक शुभकामनाएं। कामना है कि ये फसल उत्सव सभी के लिए आशा, समृद्धि और खुशियों से भरा मौसम लेकर आएं।

केंद्र सरकार कर रही राज्य के कर अधिकारों को लेकर धोखा: सिद्धारमैया

एजेंसी

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अपने अधिकारी पर एक पोस्ट

में कहा कि केंद्र ने 10 जनवरी को राज्य सरकारों को 1,73,030 करोड़ रुपये का कर हस्तांतरण जारी किया। सिद्धारमैया की पोस्ट में कर्नाटक को दी गई 6,310 करोड़ रुपये की राशि पर असंतोष व्यक्त किया गया। उनके अनुसार यह एनडीए सरकार द्वारा कर्नाटक के साथ एक बड़ा धोखा था। उन्होंने पोस्ट की शुरूआत यह कहते हुए की कि उन्होंने जानबूझकर कुछ दिन इंतजार किया यह उम्मीद करते हुए कि कर्नाटक भाजपा के नेता कन्नडिगाओं के लिए बोलने का साहस जुटाएंगे। सिद्धारमैया ने सवाल किया कि राज्य के भाजपा नेता कर्नाटक के हितों की रक्षा करने के बजाय, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करने में क्यों व्यस्त थे, जिन्हें उन्होंने विश्वासघात के लिए दोषी ठहराया था। उन्होंने कर्नाटक के आर्थिक योगदान और उसके बजट आवंटन के बीच स्पष्ट अंतर की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा कि भारत की आबादी का केवल 5 प्रतिशत होने और भारत की जीडीपी में 8.4 प्रतिशत का योगदान देने और 17 प्रतिशत की वृद्धि के साथ जीएसटी वृद्धि में देश का नेतृत्व करने के बावजूद, राज्य की हिस्सेदारी स्थिर हो गई है। मुख्यमंत्री ने कर्नाटक को कर हिस्सेदारी में केवल 44,485 करोड़ रुपये और अनुदान में 15,299 करोड़ रुपये देने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की, जबकि राज्य राष्ट्रीय खजाने में सालाना 4.5 लाख करोड़ रुपये का योगदान देता है। इस बीच, उत्तर प्रदेश (31,039 करोड़ रुपये), बिहार (17,403 करोड़ रुपये), मध्य प्रदेश (13,582 करोड़ रुपये) और राजस्थान (10,426 करोड़ रुपये) जैसे भ्रष्टाचार से ग्रस्त राज्यों पर धन की वर्षा हुई है। क्या कर्नाटक को शासन, जीएसटी वृद्धि और विकास में उत्कृष्टता के लिए दंडित किया जा रहा है?

गृह मंत्री शाह ने अहमदाबाद में गुजरात की सबसे बड़ी पुलिस कॉलोनी की आधारशिला रखी

एजेंसी

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात की सबसे बड़ी पुलिस लाइन की आधारशिला रखी। सेवारत पुलिस

कर्मियों के लिए बनने जा रहे इस आवासीय परिसर में 920 परिवार रहेंगे। मकर संक्रांति के अवसर पर शुरू की गई और गुजरात राज्य पुलिस आवास निगम द्वारा क्रियान्वित की जा रही इस परियोजना में 13 मंजिलों वाले 18 टावर हैं, जो घाटलोदिया क्षेत्र में 23,697 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैले हुए हैं। इस समारोह में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी मौजूद थे। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि प्रत्येक फ्लैट 2 शयनकक्ष वाली सुसज्जित इकाई होगा जिसका कारपेट एरिया 55 वर्ग मीटर होगा।

अयोध्या में राम मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा दिवस पर भारत को सच्ची आजादी मिली: मोहन भागवत

एजेंसी

इंदौर। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने सोमवार को कहा कि अयोध्या में राम मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा की तिथि को "प्रतिष्ठा

द्वादशी" के रूप में मनाया जाना चाहिए, क्योंकि कई शताब्दियों तक "पराचक्र" (शत्रु आक्रमण) का सामना करने वाले भारत की "सच्ची आजादी" इसी दिन स्थापित हुई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में 22 जनवरी, 2024 को भव्य अयोध्या मंदिर में राम लला की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा की गई। हालांकि, हिंदू चंद्र कैलेंडर के अनुसार, प्राण-प्रतिष्ठा समारोह 11 जनवरी, 2025 को एक वर्ष पूरा होगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने सोमवार को कहा कि अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की तिथि प्रतिष्ठा द्वादशी के रूप में मनाई जानी चाहिए क्योंकि अनेक सदियों से दुश्मन का आक्रमण झेलने वाले देश की सच्ची स्वतंत्रता इस दिन प्रतिष्ठित हुई थी। हिंदू पंचांग के मुताबिक, अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा पिछले साल पौष माह के शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि को हुई थी। तब ग्रेगोरियन कैलेंडर में 22 जनवरी 2024 की तारीख थी। इस साल पौष शुक्ल पक्ष द्वादशी की तिथि 11 जनवरी को पड़ी। संघ प्रमुख भागवत ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के महासचिव चम्पत राय को इंदौर में राष्ट्रीय देवी अहिल्या पुरस्कार प्रदान किया। उन्होंने इस मौके पर आयोजित समारोह में कहा कि अयोध्या में रामलला प्राण प्रतिष्ठा की तिथि पौष शुक्ल द्वादशी का नया नामकरण प्रतिष्ठा द्वादशी के रूप में हुआ है। उन्होंने अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ के दो दिन बाद कहा कि यह तिथि प्रतिष्ठा द्वादशी के रूप में मनाई जानी चाहिए क्योंकि अनेक सदियों से परचक्र (दुश्मन का आक्रमण) झेलने वाले भारत की सच्ची स्वतंत्रता इस दिन प्रतिष्ठित हुई थी। भागवत ने कहा कि 15 अगस्त 1947 को भारत को अंग्रेजों से राजनीतिक स्वतंत्रता मिलने के बाद उस विशिष्ट दृष्टि की दिखाई राह के मुताबिक लिखित संविधान बनाया गया जो देश के स्व से निकलती है लेकिन यह संविधान उस वक्त इस दृष्टि भाव के अनुसार नहीं चला। उन्होंने कहा कि भगवान राम, कृष्ण और शिव के प्रस्तुत आदर्श और जीवन मूल्य भारत के स्व में शामिल हैं और ऐसी बात कतई नहीं है कि ये केवल उन्हीं लोगों के देवता हैं, जो उनकी पूजा करते हैं। भागवत ने कहा कि आक्रांताओं ने देश के मंदिरों के विध्वंस इसलिए किए थे कि भारत का स्व मर जाए। भागवत ने कहा कि राम मंदिर आंदोलन किसी व्यक्ति का विरोध करने या विवाद पैदा करने के लिए शुरू नहीं किया गया था।

भाजपा पैसे से दिल्लीवालों के वोट खरीदना चाहती है: केजरीवाल

एजेंसी

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को एक बार फिर भाजपा पर जमकर हमला बोला और कहा कि गाली-गलौज पार्टी में हथियार डाल दिए हैं। वह पूरी तरह से जानते हैं कि वह चुनाव जीत नहीं सकते, इसलिए अब वह दिल्ली वालों के वोट पैसे से खरीदना चाहते हैं। मैं दिल्ली वालों से अपील करता हूं कि इनसे सारे पैसे ले लो, इनको बर्बाद कर दो। लेकिन, वोट मत देना।अरविंद केजरीवाल ने कहा कि धीरे-धीरे जैसे-जैसे समय बीत रहा है, आम आदमी पार्टी का ग्राफ भी ऊपर बढ़ता जा रहा है। हम ऊपर की ओर जा रहे हैं। गाली-गलौज पार्टी ने ऐसा लगता है हथियार डाल दिए हैं। उनके पास न नैरेटिव है, न उनके पास विजन है, न उनके पास सीएम का चेहरा है। खुलेआम पैसे बांटे जा रहे हैं, लेकिन जो पैसे बांटे गए, उन लोगों में बहुत असंतोष है। ऊपर से उनकी पार्टी ने भेजे 10,000 रुपए। लेकिन, उनके नेताओं को लग रहा है कि वह जीत तो रहे नहीं हैं तो इस चुनाव में पैसे ही कमा लिए जाएं, तो उनके नेताओं ने 9,000 रख लिए और जनता को हजार-हजार रुपए बांट

दिए और वह भी इन्होंने सबको नहीं दिए। उन्होंने आरोप लगाया कि जैसे-जैसे जनता को यह पता चलता है कि उनके नेता रुपए खा गए तो इस बात का जनता में भारी रोष है कि उनके नेता जनता के नाम पर आए हुए पैसे खा गए। उसके बाद उनकी पार्टी ने कंबल बांटने को भेजे। एक कॉलोनी में कंबल बांटे। बगल वाली कॉलोनी में नहीं बांटे तो बगल वाली कॉलोनी वाले पूछ रहे हैं इस कॉलोनी के कंबल कहां गए। इसी तरीके से यह भाजपा वाले साड़ियां, जूते, जैकेट यह सब कुछ बांट रहे हैं। लेकिन, उनके नेता कुछ कॉलोनी में जाते हैं, वहां पर सामान बांटकर वापस चले आते हैं।

अनुसंधान और नवाचार नए भारत के मिजाज का हिस्सा: मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के 150वें स्थापना दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम में भाग लिया। "मौसम के लिए तैयार और जलवायु के लिए स्मार्ट" राष्ट्र बनने की दिशा में भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। उन्होंने कहा कि आज हम भारतीय मौसम विभाग यानी आईएमडी के 150 वर्ष सेलिब्रेट कर रहे हैं। ये केवल भारतीय मौसम विभाग की यात्रा नहीं है, ये हमारे भारत में आधुनिक साइंस और टेक्नोलॉजी की भी यात्रा है। आईएमडी ने न केवल करोड़ों भारतीयों की सेवा की है, बल्कि भारत की वैज्ञानिक यात्रा का भी प्रतीक बना है। मोदी ने कहा कि वैज्ञानिक संस्थाओं में रिसर्च और इनोवेशन नए भारत के स्वभाव का हिस्सा है। इसलिए पिछले 10 वर्षों में आईएमडी के इंफ्रास्ट्रक्चर और टेक्नॉलजी का भी अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत एक जलवायु-स्मार्ट राष्ट्र बने इसके लिए हमने मिशन मौसम भी लांच किया है। मिशन मौसम टिकाऊ भविष्य और भविष्य की तैयारी को लेकर भारत की प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक संस्थानों में रिसर्च और इनोवेशन नए भारत के स्वभाव का हिस्सा है। इसलिए, पिछले 10 वर्षों में, आईएमडी के बुनियादी ढांचे का विस्तार किया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि डॉपलर मौसम रडार, स्वचालित मौसम स्टेशन, रनवे मौसम निगरानी प्रणाली, जिलेवार वर्षा निगरानी स्टेशन - ऐसे आधुनिक बुनियादी ढांचे में कई गुना वृद्धि हुई है, और उन्हें अपग्रेड भी किया गया है। मौसम विज्ञान अंतरिक्ष तकनीक और डिजिटल तकनीक का भी भरपूर लाभ उठा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी मौसम संबंधी उन्नति के चलते हमारी आपदा प्रबंधन कैपसीटी बनी हुई है। इसका लाभ पूरे विश्व को मिल रहा है। आज हमारा आकस्मिक बाढ़ मार्गदर्शन प्रणाली नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और श्रीलंका को भी सूचनाएं दे रहा।

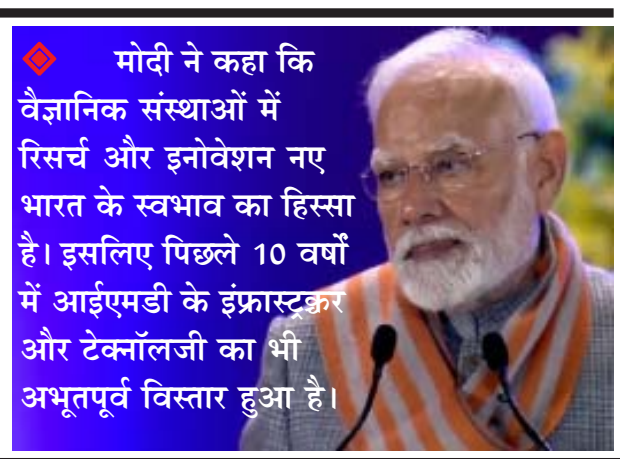

गृह मंत्री के पद की मर्यादा बनाए रखें: शरद पवार

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार ने मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उस टिप्पणी को खारिज कर दिया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत ने 1978 में पवार द्वारा शुरू की गई विश्वासघात की राजनीति को समाप्त कर दिया। अमित

शाह के बयान पर पलटवार करते हुए एनसीपी (सपा) प्रमुख शरद पवार ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय मंत्री से 'गृह मंत्री पद की गरिमा' बनाए रखने की बात कही। अमित शाह ने रविवार को मंदिर शहर शिरडी में राज्य भाजपा सम्मेलन में अपने भाषण के दौरान पवार की आलोचना की थी। शाह ने कहा था कि महाराष्ट्र में भाजपा की जीत ने 1978 में शरद पवार द्वारा शुरू की गई अस्थिरता और पीठ में छुरा घोंपने की राजनीति को समाप्त कर दिया।

सम्पादकीय...

धधकता लॉस एंजेलिस

लॉस एंजेलिस में जंगल की बेकाबू आग फैलने और भारी जन-धन की क्षति ने साबित किया है कि दुनिया की नंबर एक महाशक्ति भी कुदरत के रौद्र के सामने बौनी ही साबित हुई है। जंगल की आग ने भड़कने के बाद कई शहरी इलाकों को चपेट में ले लिया। खरबों रुपये की संपत्ति और प्राकृतिक संपदा के नष्ट होने के अलावा करीब दो लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। आलीशान बंगलों व सरकारी संरचना तथा नागरिक सुविधा के साधनों के स्वाह होने के साथ करीब बारह लोगों के मारे जाने की खबर है। करीब दो लाख लोगों को घर-बार छोड़कर जाने के लिये तैयार रहने को कहा गया है। दमकल विभाग व सुरक्षा बलों की तमाम कोशिशों के बावजूद आग बेकाबू है। लोग असहाय होकर अपनी जीवन भर की पूंजी को स्वाह होते देख रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के चलते तल्ख होते मौसम से हालात और खराब होने की आशंका जतायी जा रही है। आग के बाद का जो मंजर नजर आ रहा है उसे देखकर ऐसा लगता है मानो कोई बम गिराया गया हो। विडंबना यह है कि आपदा में अवसर तलाशने वाले कुछ लोग खाली कराये गए घरों में लूटपाट से भी बाज नहीं आ रहे हैं। हॉलीवुड हिल्स इलाके में करीब साढ़े पांच हजार से अधिक इमारतों के नष्ट होने की खबर है। कई नामी फिल्मी हस्तियों के घर, व्यावसायिक इमारतें व सार्वजनिक संस्थान आग की भेंट चढ़े हैं। अमेरिका के इतिहास में यह जंगल की आग सबसे भयावह साबित हुई है। चिंता की बात यह है कि इलाके में हाल-फिलहाल बारिश होने की संभावना नहीं है, जिससे जंगल की आग जल्दी काबू में आ सकती। एक बड़े इलाके में बिजली आपूर्ति ठप होने व पानी की आपूर्ति में बाधा संकट को और बढ़ा रही है। लोगों की सुरक्षित स्थानों में जाने के लिये अफरा-तफरी से जगह-जगह ट्रैफिक जाम लग रहे हैं। पानी का दबाव कम होने से दमकल कर्मियों को आग बुझाने में परेशानी आ रही है। दरअसल यह आग लॉस एंजेलिस के उत्तरी भाग में लगी, जिसने बाद में कई बड़े शहरों को अपनी चपेट में ले लिया। तेज हवाओं व सूखे मौसम के कारण आग ज्यादा भड़की है। सूखे पेड़-पौधे तेजी से आग की चपेट में आ गए। हालांकि, आग लगने का ठोस कारण अभी तक पता नहीं चला है। हकीकत है कि जंगलों में 95 फीसदी आग इंसानों द्वारा ही लगायी जाती है। वैसे जलवायु परिवर्तन प्रभावों के चलते बदले हालात में अब पूरे साल आग लगने की आशंका बनी रहती है। बारिश की कमी से सूखा और तेज हवाएं आग में घी का काम करती हैं। मौसम का गरम रहना व बारिश की कमी भी आग के लिए ज्वलनशील परिस्थितियां बनाते हैं। इस बार आग को भड़काने में सौ मील प्रति घंटा की रफ्तार से चलने वाली सेंटा एना हवाओं की भी बड़ी भूमिका रही है।

एकला चलो या गठबंधन: कांग्रेस के 25 साल में कई प्रयोग!

शकील अख्तर

कांग्रेस में प्रयोग का दौर लंबा चल गया। पार्टी अपनी क्षमता और कमजोरियों को पहचानने के बदले गठबंधन करने या न करने के एक छोर से दूसरे छोर के बीच लगभग 25 सालों से झूल रही है। देश की सबसे पुरानी पार्टी जो आजादी के आन्दोलन के नेतृत्व में कभी भ्रम या अनिश्चितता का शिकार नहीं हुई वह अब अधिकतर अनिर्णय की स्थिति में रहने लगी है। 139 साल पुरानी पार्टी है। पुराना होने का मतलब पुख्तगी (मजबूती) होता है। विरासत से इरादों की मजबूती सीखना। इन्दिरा गांधी कहती थीं- दूरदृष्टि कड़ी मेहनत पुख्ता इरादा। सीखना चाहिए। लोगों को अभी भी कांग्रेस से बहुत अपेक्षाएं हैं। जो विपक्षी दल इन्डिया गठबंधन टूट जाने की बातें कर रहे हैं वह भी यह कह रहे हैं कि कांग्रेस को इसे बचाने के लिए कुछ पहल करना चाहिए। सीधी बात है कि राष्ट्रीय दल एकमात्र है। इन्डिया गठबंधन के नेतृत्व का दावा कोई भी करे मगर किसी की पहुंच पूरे देश तक नहीं है। साढ़े दस साल से सत्ता में बनी भाजपा की भी नहीं। उत्तर दक्षिण पूर्व पश्चिम हर जगह हर गांव कस्बे में कांग्रेस का झंडा होगा। कोई न कोई कांग्रेसी होगा जो 26 जनवरी 15 अगस्त को लेकर निकलता होगा। कांग्रेस को आप खारिज कर नहीं सकते। प्रधानमंत्री मोदी का इसीलिए सारा जोर कांग्रेस पर लगा रहता है। यह कांग्रेस की क्षमता है। जिसे उसे समझने की जरूरत है। बेलगावी कर्नाटक की सीडब्ल्यूसी में कांग्रेस ने कहा कि 2025 में कोई काम नहीं है। सिर्फ दो चुनाव हैं। दिल्ली और फिर साल के आखिर में बिहार। दोनों जगह वह भाजपा की मुख्य प्रतिद्वंद्वी नहीं है। इसलिए कांग्रेस ने कहा कि वह 2025 को संगठन का साल बनाएगी। अच्छी बात है। क्योंकि खुद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे इससे पहले दिल्ली की सीडब्ल्यूसी में बहुत ही साफ शब्दों में पार्टी की कमजोरियों को स्वीकार कर चुके हैं। एक संगठन नहीं। दो भयानक गुटबाजी। एक दूसरे को हराने में सारी ताकत लगाना। तीन कोई रणनीति नहीं। योजना बनाकर चुनाव नहीं लड़ना। चार चुनावों की पहले से तैयारी नहीं करना। सामने आ जाने पर जैसे तैसे लड़ लेना। यह कमजोरियां हैं। तो ताकत और कमजोरी दोनों हैं। मगर उन्हें समझने और फिर उन पर काम करना की जरूरत है। इस साल की शुरूआत संगठन के हिसाब से ठीक हो रही है कि उसका अपना नया मुख्यालय बनकर तैयार हो गया है। और 15 जनवरी को कांग्रेस संसदीय दल की नेता उसका उद्घाटन कर रही हैं। सोनिया ने ही इसका शिलान्यास किया था। बहुत पहले जब उनकी केन्द्र में सरकार थी। कांग्रेस के स्थापना दिवस 28 दिसंबर, 2009 को। पूरे 15 साल हो गए। अब बना। खैर! साल अच्छा है। लेकिन यह पार्टी आफिस बनने, संगठन का साल घोषित करने के मामले कांग्रेस के अपने हैं। आन्तरिक। लेकिन दूसरा पहलू भी बहुत महत्वपूर्ण है। विपक्षी एकता का। कांग्रेस के लिए सबसे ज्यादा। इसलिए कि कांग्रेस ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसने कभी भी बीजेपी से समझौता नहीं किया। और आज लड़ाई बीजेपी से ही है। और उस बीजेपी से जो अपने इतिहास में सबसे मजबूत इसी समय है। बाकी सारे विपक्षी दल कभी ना कभी बीजेपी के साथ रह चुके हैं उसका समर्थन कर चुके हैं। 1967 में लोहिया के गैर कांग्रेसवाद के समय, 1975 में जेपी आन्दोलन के समय, 1989 में वीपी के समय और लास्ट अभी 2012 -13 के अन्ना आन्दोलन के समय। लेफ्ट लालू, मुलायम, ममता सब कभी ना कभी बीजेपी के साथ एक नाव पर सवारी कर चुके हैं। कांग्रेस को हटाने के नाम पर बीजेपी का साथ सबने दिया। मगर कांग्रेस अभी है। जनता उसे चाहती है। कांग्रेस के बारे में वह शेर जो सुन-सुना कर हो तो बहुत प्रचलित गया है। मगर सटीक बैठता है कि-श्मुद्दई लाख बुरा चाहे तो क्या होता है, वही होता है जो ...! और इसीलिए कांग्रेस की जिम्मेदारी भी बड़ी है। इन्डिया गठबंधन उसकी कोशिशों से बना था। दो काम एक साथ हो रहे थे। राहुल की पहली यात्रा। भारत जोड़ो। और इन्डिया गठबंधन की बैठकें। पटना, बैंगलूरू, मुम्बई। एकता संभव हुई। इन्डिया गठबंधन बना। और सफल रहा। रिएक्शन में भाजपा ने एनडीए की बैठक की। उस एनडीए की जिसका नाम भी बीजेपी नहीं लेती थी। इन्डिया गठबंधन पर तगड़े हमले शुरू हुए। भाजपा, मीडिया, मोदी सबके। उनका डर था। और वह सही निकला। लोकसभा में भाजपा बहुमत से दूर रह गई। कहां उसके पास 2019 में 303 सीटें थीं। और 2024 में मोदी चार सौ पार का नारा लगा रहे थे। वहीं विपक्षी एकता के दम पर भाजपा के केवल 240 पर रुक गई। चन्द्रबाबू नायडू, नीतीश कुमार, चिराग पासवान, जयंत चैधरी और मांझी ऐसे कई छोटे-छोटे दलों का समर्थन लेना पड़ा। जैसा राहुल ने कहा 56 इंच की छाती नहीं रही। सही बात है। और यह संभव हुआ एक होकर लड़ने से। जनता का डर खत्म हुआ। वह सामने आई और छाती सिकुड़ गई। अब दोनों बातें अलग-अलग हैं।

मेषः- आज प्रातःकाल के समय आप का शारीरिक स्वास्थ्य नरम-गरम रह सकता है ऐसा गणेशजी कहते हैं। प्रवास का योग है।

वृषभः- आज के दिन विजातीय आकर्षण से दूर रहने की गणेशजी सलाह देते हैं। प्रतिस्पर्धियों पर विजय प्राप्त कर सकेंगे।

मिथुनः- नकारात्मक मानसिक व्यवहार न रखने के लिए गणेशजी आपको सलाह देते हैं। आज का प्रवास भी आनंददायी रहेगा।

कर्कः- भावनाओं के प्रवाह में आप न बह जाएं इसके लिए गणेशजी आपको चेतावनी देते हैं। धन का खर्च अधिक होगा।

सिंहः- आज किसी भी निर्णय लेने की स्थिति में आप नहीं रहेंगे इसलिए आवश्यक निर्णय आज न लेने की गणेशजी सलाह देते हैं। मन प्रसन्न होगा।

कन्याः- आज का आप का दिन मध्यम फलदायी रहेगा ऐसा गणेशजी कहते हैं। आज परिस्थिति अनुकूल रहेगी।

तुलाः- आज पारिवारिक वातावरण आनंदप्रद रहेगा ऐसा गणेशजी कहते हैं। संतानों की ओर से सुख मिलेगा।

वृश्चिकः- आप के लिए भाग्यवृद्धि का दिन है ऐसा गणेशजी कहते हैं। विदेश स्थित स्नेहीजनों से अच्छे समाचार प्राप्त होंगे।

धनुः- आज संभलकर कदम उठाने की गणेशजी सलाह देते हैं। शारीरिक और मानसिक रूप से आप व्यग्रता का अनुभव करेंगे।

मकरः- आज के दिन परिवारजनों के साथ आनंदपूर्वक प्रवास या पर्यटन का आनंद मनाएंगे।

कुंभः- गणेशजी के आशीर्वाद से आप का आज का दिन सुख-शांतिपूर्वक बीतेगा। पारिवारिक जीवन में भी आनंद छा जाएगा।

मीनः- भावनाओ के बंधन में बंध जाने का अनुभव आज आपको होगा ऐसा गणेशजी कहते हैं। भाई-बहनों से लाभ होगा।

संभल मामले में योगी की नयी टिप्पणी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाचार चैनल के मंच से कहा है कि अगर धर्मग्रंथों और पुरातात्विक साक्ष्यों से पता चलता है कि संभल में कल्कि को समर्पित हरिहर मंदिर शाही जामा मस्जिद के निर्माण से पहले मौजूद था, तो मुस्लिम समुदाय को इस मुगलकालीन मस्जिद को सम्मानजनक तरीके से हिंदुओं को सौंप देना चाहिए, श्री योगी ने संभल की शाही जामा मस्जिद के संदर्भ में यह भी कहा कि किसी को किसी भी विवादित ढांचे को मस्जिद के रूप में संदर्भित नहीं करना चाहिए। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी की ये टिप्पणियां दिसंबर 2024 के सुप्रीम कोर्ट के आदेश की पृष्ठभूमि में आई हैं, जिसमें देश की अदालतों को अन्य धार्मिक स्थानों पर दावा करने वाले किसी भी नए मुकदमे को दर्ज नहीं करने का निर्देश दिया गया है. इस बयान से ऐसा लगता है मानो योगी आदित्यनाथ अब अल्पसंख्यकों को सीधे-सीधे चेतावनी दे रहे हैं। हालांकि वे पहले भी उग्र हिंदुत्व के पक्ष में झुके हुए बयान दे चुके हैं और उनके बुलडोजर न्याय को भाजपा में इतना पसंद किया गया कि अनेक राज्यों में उसका अनुसरण किया गया। प्रसंगवश बता दें कि बुलडोजर न्याय पर भी सुप्रीम कोर्ट सख्त टिप्पणी कर चुका है। लेकिन बुलडोजर न्याय के बाद अब श्री योगी संभवतरू यह भी तय करने लगे हैं कि मुसलमान किस ढांचे को मस्जिद मानें और किसे नहीं। मुख्यमंत्री जैसे पद पर बैठे व्यक्ति के लिए इस तरह के बयान देना न केवल संविधान की भावना के विपरीत है. बल्कि पद की गरिमा भी इससे घटती है, क्योंकि वे ऐसा कहकर एक समुदाय विशेष के साथ खड़े हो रहे हैं तथा दूसरे समुदाय के विरूद्ध बयान दे रहे हैं। हालांकि इस बारे में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से लेकर निचले क्रम के कार्यकताओं का हाल एक जैसा ही है। प्रधानमंत्री पद हो, मुख्यमंत्री का पद हो या सांसद या विधायक, भाजपा की हिंदूवादी राजनीति हर ओहदे पर भारी पड़ जाती है। मुख्यमंत्री योगी ने हर विवादित ढांचे को मस्जिद कहना ठीक नहीं है। जैसा बयान देश भर में अनेक मंदिरों व मस्जिदों को लेकर हो रहे विवादों के परिप्रेक्ष्य में दिया है लेकिन इसमें हिन्दू-मुस्लिम दोनों के लिये स्पष्ट संदेश हैं। आगे वे कहते हैं कि श्जिस दिन उन्हें मस्जिद कहना बन्द कर दिया जायेगा, तो लोग उनमें जाना भी छोड़ देंगे। उन्होंने अपने बयान को न्यायसंगत बतलाने के लिये दो-तीन तर्क दिये। पहला तो यह कि ऐसे स्थानों पर की जाने वाली इबादत को खुदा भी स्वीकार नहीं करेगा। यानी वे कहना चाहते हैं कि किसी भी विवादग्रस्त ढांचे में नमाज पढ़ी भी जाये तो उसका कोई उपयोग नहीं है। आदित्यनाथ ने दूसरी जो बात कही वह अल्पसंख्यकों के मन में और भी खौफ पैदा कर सकती है। उन्होंने एक तरह से मस्जिदों की उपयोगिता और अस्तित्व पर ही सवाल खड़ा कर दिये तथा यह भी बताया कि तमाम मस्जिदें निरर्थक हैं तथा ढांचे तो केवल सनातन धर्म यानी हिन्दुओं को ही चाहिये। उनका आशय यह था कि ढांचे के बिना भी मुसलमान उपासना कर सकते हैं। यानी मुस्लिम कहीं भी नमाज पढ़ सकते हैं जबकि हिन्दुओं को कोई स्ट्रक्चर अनिवार्यतरू चाहिये ही होता है। ध्यान से देखें तो यह बयान बहुत ही खतरनाक है तथा एक वर्ग विशेष में उन्माद की नयी लहर पैदा कर सकता है। वैसे भी भारतीय जनता पार्टी, उसके सहयोगी संगठनों तथा छिटपुट समूहों द्वारा देश भर में मंदिर-मस्जिद के विवाद खड़े किये जा रहे हैं। आये दिन किसी न किसी शहर की मस्जिद के सामने या भीतर उपद्रव हो रहे हैं या फिर कभी इस मस्जिद की खुदाई की मांग हो रही है तो कभी उस मस्जिद के भीतर हिन्दू देवी-देवता होने के दावे सामने आते हैं। इन सबके कारण अक्सर विवाद हिंसक रूप ले रहे हैं। योगी के अपने राज्य के संभल में इसी के चलते लगी आग अब तक पूरी तरह से ठंडी नहीं हो पायी है कि राज्य के मुखिया नये सिरे से उसी आग को भड़काने में लगे हैं। अब की यह आग उनके राज्य में सीमित न रहकर देश भर में फैल सकती है। मुख्यमंत्री योगी ने 14 जनवरी से शुरू होने वाले महाकुम्भ में मुसलमान दुकानदारों द्वारा दुकानें न लगाने देने की बात को एक तरह से यह कहकर स्वीकार कर लिया कि वहां कुछ लोग कुत्सित मानसिकता के साथ आते हैं।

क्या बाबा साहेब की विचारधारा और हिंदू राष्ट्रवादी राजनीति से मेल खाती है?

राम पुनियानी

जहां एक ओर अमित शाह द्वारा लोकसभा में किए गए बाबा साहेब के घोर अपमान की सारे देश में तीव्र निंदा हो रही है, वहीं दक्षिणपंथी हिंदू राष्ट्रवादी विचारक और चिंतक यह आख्यान सृजित करने में जुटे हुए हैं कि बाबा साहेब और सावरकर-आरएसएस तथा विशेषकर भाजपा में साम्यता थी (बलबीर पुंज एक्स पररू द रिसरे स्क्शन ऑफ डॉ. अम्बेडकर)। वे बाबा साहेब अम्बेडकर (बीए) के विस्तृत रचना संसार में से चुनिंदा हिस्से, कुछ इधर से और कुछ उधर से, उठाकर ऐसी तस्वीर पेश करने का प्रयास कर रहे हैं कि बाबा साहेब हिंदुत्व की विचारधारा के प्रशसंक थे। वे अंबेडकर के इस कथन का हवाला देते हैं कि स्वामी श्रद्धानंद अस्पृश्यों के सबसे संजीदा हितैषी थेश। वे इस बात को नजरअंदाज कर देते हैं कि स्वामी मुस्लिमों को हिंदू बनाने के श्शुद्धिकरणश के कार्य से जुड़े हुए थे। इससे मुस्लिम मौलवी नाराज थे। इस शुद्धि के बारे में अम्बेडकर का कहना था - यदि हिंदू समाज अपना अस्तित्व कायम रखना चाहता है, तो उसे अपनी संख्या बढ़ाने पर ध्यान देने के बजाय अपनी एकजुटता को मजबूत करने का प्रयास करना चाहिए। और इसका मतलब है जाति का उन्मूलन. जाति के उन्मूलन से ही हिंदू संगठित हो सकते हैं और जब वे जाति के उन्मूलन के जरिए संगठित होंगे, तब शुद्धि की जरूरत ही नहीं रहेगीश। यह तबलीगी जमात की तंजीम के समानांतर और उसके विपरीत धारा थी, जो हिंदुओं का धर्मपरिवर्तन कर उन्हें मुसलमान बनाने के प्रयासों में जुटी थी। हालांकि श्रद्धानंद बाद में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हो गए, लेकिन वे हिंदू संगठन से भी जुड़े हुए थे, जो हिंदू राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्ध हिंदू महासभा का हिस्सा था।कई नए-नए दावे किए जा रहे हैं जैसे अम्बेडकर और सावरकर एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। यह सच है कि सावरकर ने पतित पावन मंदिर का निर्माण करवाया था जिसमें दलितों को आने की इजाजत थी। अम्बेडकर का मानना था कि यह एक ऐसा मंदिर बनकर रह जाएगा जिसमें सिर्फ दलित आएंगे। बहिष्कृत भारत के 12 अप्रैल 1929 के अंक में प्रकाशित संपादकीय में जिक्र है कि अम्बेडकर ने शुरू से ही पतित पावन मंदिर के निर्माण का विरोध किया था। उनका मानना था कि ऐसे मंदिरों को बाद में अछूतों के मंदिरों के नाम से पुकारा जाने लगेगा। हालांकि अम्बेडकर ने सावरकर के प्रयासों की प्रशंसा की मगर उनका मानना था कि ऐसे प्रयास अप्रासंगिक हैं। इसी तरह की कुछ और बातें हिंदुत्ववादी विचारक कहते हैं। वे अम्बेडकर और कांग्रेस में मतभेदों का मुद्दा बढ़-चढ़कर उठाते हैं। उनका तर्क यह रहता है कि गांधी और पटेल की मृत्यु के बाद नेहरू निरंकुश हो गए और विपक्ष की उपेक्षा करने लगे। जैसा कि अमित शाह ने कहा कि अम्बेडकर ने नेहरूजी की मंत्रिपरिषद से इस्तीफा अनुच्छेद 370, विदेश नीति और अनुसूचित जातिध्जनजाति वर्ग की स्थिति जैसे मुद्दों पर नेहरूजी से मतभेदों के कारण दिया। वास्तविकता यह है कि अम्बेडकर द्वारा मंत्रिपरिषद से इस्तीफा दिए जाने का सबसे बड़ा कारण था हिंदू कोड बिल के प्रति अपनाए जा रहे उपेक्षापूर्ण रवैये को लेकर उनकी निराशा। आरएसएस द्वारा इसका जबरदस्त विरोध किया जा रहा था और सभाएं आयोजित की जा रही थीं. उसके कार्यकर्ता संसद के समक्ष प्रदर्शन कर रहे थे। इसका शीर्ष था दिल्ली के रामलीला मैदान में 11 दिसंबर 1949 को किया गया आयोजन जिसमें नेहरू और अंबेडकर के पुतले जलाए गए। हिंदू कोड बिल का विरोध करते हुए आर्गनाईजर ने 7 दिसंबर 1949 के अंक में लिखा-हम हिंदू कोड बिल का विरोध करते हैं। हम इसका विरोध इसलिए कर रहे हैं क्योंकि यह एक अपमानजनक बिल है जो अनैतिक एवं विदेशी विचारों पर आधारित है। यह हिंदू कोड बिल नहीं है। इसमें हिंदू जैसा कुछ भी नहीं है। आरएसएस के इस आक्रामक अभियान का नतीजा यह हुआ कि हिंदू कोड बिल को पारित करने में देरी हुई और इसके प्रावधानों को कमजोर कर दिया गया। यह बाबा साहेब के लिए अत्यंत पीड़ादायी क्षण था और इसी कारण उन्होंने इस्तीफा दिया।मनुस्मृति व चातुर्वर्ण्य ऐसे मुद्दे थे जिन पर अम्बेडकर एक ओर और सावरकर से लेकर भाजपा दूसरी ओर नजर आते हैं और दोनों पक्षों में गंभीर मतभेद हैं। जहां 25 दिसंबर 1927 को बाबा साहेब ने मनुस्मृति का दहन किया वहीं आरएसएस के द्वितीय सरसंघचालक एम. एस. गोलवलकर ने अपने लेखन में मनुस्मृति का स्तुतिगान किया। सावरकर चातुर्वर्ण्य के प्रति अपने समर्थन की चर्चा विस्तार से करते हैं और मनुस्मृति की प्रशंसा करते हैं। श्मनुस्मृति वह शास्त्र है जो हिंदू राष्ट्र के लिए वेदों के बाद सबसे अधिक पूजनीय है और जो प्राचीनकाल से हमारी संस्कृति, रीति-रिवाजों, विचारों और क्रियाकलापों का आधार रहा है। इस पुस्तक ने सदियों से हमारे देश के आध्यात्मिक एवं दैवीय विकास को संहिताबद्ध किया है। आज भी करोड़ों भारतीय मनुस्मृति पर आधारित नियमों का पालन करते हैं। आज मनुस्मृति हिंदुओं का विधिशास्त्र है। यह हमारा मूल आधार हैश। और श्भारत के नए संविधान के बारे में सबसे बुरी बात यह है कि उसमें कुछ भी भारतीय नहीं है...इसमें प्राचीन भारतीय विधि, संस्थानों, और शब्दावली का जरा सा भी जिक्र नहीं है। अम्बेडकर और हिन्दुत्व विचारधारा के सबसे मुख्य मतभेदों को छिपाया जा रहा है। 13 अक्टूबर 1935 कों नासिक के निकट येओला में एक सभा को संबोधित करते हुए अम्बेडकर ने एक धमाकेदार बात कही, मैं एक हिंदू के रूप में नहीं मरूंगा। उनके अनुसार इस धर्म में स्वतंत्रता, करूणा और समानता के लिए कोई स्थान नहीं है। उनकी पुस्तक थाट्स ऑन पाकिस्तान के संशोधित संस्करण में वे इस्लामिक पाकिस्तान के निर्माण का विरोध इसलिए करते हैं क्योंकि इससे हिंदू राज या राष्ट्र का मार्ग प्रशस्त होगा और यह यहां की जनता के लिए एक बड़ी त्रासदी होगी। उनकी इस घोषणा के बाद उन पर सिक्ख या इस्लाम धर्म ग्रहण करने के लिए बहुत दबाव डाला गया। हिंदू महासभा के डॉ. मुंजे ने उनसे एक समझौता किया कि यदि वे इस्लाम धर्म ग्रहण नहीं करेंगे तो हिंदू महासभा उनके धर्मपरिवर्तन का विरोध नहीं करेगी। बाबा साहेब ने अपने गहन अध्ययन के आधार पर बौद्ध धर्म को चुना। आज भाजपा यह दिखाने की कोशिश कर रही है कि वह बाबा साहेब की प्रतिमाओं की स्थापना कर, उनकी स्मृति में अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय बना कर व अन्य सांकेतिक कार्य करके वह उनका सम्मान कर रही है। ये सब पहचान से जुड़े मुद्दे हैं जबकि बाबा साहेब के मूल्यों की उपेक्षा की जा रही है। जब मंडल आयोग की रपट लागू की गई तब भाजपा कमंडल राजनीति पर उतर आई। जब आडवानी को उनकी रथयात्रा के दौरान (जो कमंडल राजनीति का हिस्सा थी) गिरफ्तार किया गया तब भाजपा, जो वी. पी. सिंह सरकार का समर्थन करने वाले दलों में से एक थी, ने अपना समर्थन वापिस ले लिया और वी. पी. सिंह की सरकार का पतन हो गया। कांग्रेस ने भी लोकसभा चुनाव में हिंदू महासभा की तरह अम्बेडकर का विरोध किया था। लेकिन वह कांग्रेस ही थी जिसने बाद में यह सुनिश्चित किया कि वे राज्यसभा के सदस्य बनें। उन्हें अंतरिम सरकार में शामिल किया गया और भारतीय संविधान की मसौदा समिति का अध्यक्ष बनाया गया। भाजपा यह साबित करने के लिए बैचेन है कि वे हिंदुत्व राजनीति का हिस्सा थे। यह एक कुटिल चाल है जिसका उद्देश्य एक ऐसे व्यक्ति का सहारा लेकर अपनी स्वीकार्यता बढ़ाना है जो पूरी तरह से हिंदू राष्ट्र के विचार के विरूद्ध था। यह कितना विडंबनापूर्ण है कि हिंदू राष्ट्र के समर्थक और पैरोकार, उन अम्बेडकर को अपने सैद्धांतिक परिवार का सदस्य साबित करना चाहते हैं जो हिंदू राष्ट्र के विरोधी थे और लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष गणतंत्र के हामी थे।

जाति के उन्मूलन से ही हिंदू संगठित हो सकते हैं और जब वे जाति के उन्मूलन के जरिए संगठित होंगे, तब शुद्धि की जरूरत ही नहीं रहेगीश। यह तबलीगी जमात की तंजीम के समानांतर और उसके विपरीत धारा थी, जो हिंदुओं का धर्मपरिवर्तन कर उन्हें मुसलमान बनाने के प्रयासों में जुटी थी। हालांकि श्रद्धानंद बाद में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हो गए, लेकिन वे हिंदू संगठन से भी जुड़े हुए थे, जो हिंदू राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्ध हिंदू महासभा का हिस्सा था।कई नए-नए दावे किए जा रहे हैं जैसे अम्बेडकर और सावरकर एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। यह सच है कि सावरकर ने पतित पावन मंदिर का निर्माण करवाया था जिसमें दलितों को आने की इजाजत थी। अम्बेडकर का मानना था कि यह एक ऐसा मंदिर बनकर रह जाएगा जिसमें सिर्फ दलित आएंगे। बहिष्कृत भारत के 12 अप्रैल 1929 के अंक में प्रकाशित संपादकीय में जिक्र है कि अम्बेडकर ने शुरू से ही पतित पावन मंदिर के निर्माण का विरोध किया था। उनका मानना था कि ऐसे मंदिरों को बाद में अछूतों के मंदिरों के नाम से पुकारा जाने लगेगा। हालांकि अम्बेडकर ने सावरकर के प्रयासों की प्रशंसा की मगर उनका मानना था कि ऐसे प्रयास अप्रासंगिक हैं...

गोरखपुर स्पर्श

दैनिक जनस्पर्श 3
गोरखपुर, 15 जनवरी, 2025

samachar.jansparsh@gmail.com

बीसीए तृतीय सेमेस्टर की प्रायोगिक परीक्षा 18 जनवरी को होगी संपन्न

संवाददाता

गोरखपुर। महात्मा गांधी पीजी कॉलेज गोरखपुर के बीसीए तृतीय सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं की प्रायोगिक परीक्षा दिनांक 18 जनवरी 2025 को संपन्न होगी महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अनिल कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए छात्र - छात्राओं को सूचित किया कि उक्त परीक्षा से संबंधित ज्यादा जानकारी हेतु संबंधित विभाग से संपर्क करें।

निषादों के आरक्षण के लिए अडिग था और रहूंगा भी

संवाददाता

गोरखपुर। कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने कहा कि राम व निषादराज एक ही गुरुकुल में पढ़ते थे। राम मंदिर बना है तो निषादराज का मंदिर क्यों नहीं बन सकता है। उन्होंने संविधान का जिक्र किया, बताया कि संविधान के अनुसार निषादों को आरक्षण मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि सीएम योगी जिस दिन आरक्षण की आवाज हमारे लिए उठाएंगे उस दिन आरक्षण मिल जाएगा। निषाद पार्टी का 12वां संकल्प दिवस सोमवार को मनाया गया।

युवा इंडिया द्वारा मकर संक्रांति महापर्व पर बच्चों में किया भंडारे का आयोजन

संवाददाता

गोरखपुर। आज यूथ युटिल वेलफेयर एसोसिएशन(युवा इंडिया) द्वारा मकर संक्रांति पर्व के शुभ अवसर पर लाल डिग्गी पार्क निकट स्थित मोती जेल डोम बस्ती में विगत 9 वर्षों से चल रहे अक्षर मुहिम निःशुल्क पाठशाला के वीर बच्चों के बीच खिचड़ी वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें 350 से भी ज्यादे बच्चों और बुजुर्गों में खिचड़ी, तिल-लाई लड्डू आदि खाद्य पदार्थ वितरण किया गया। संस्था अध्यक्ष रत्नेश तिवारी ने बच्चों को मकर संक्रांति का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि सामाजिक एकता का संदेश देता है खिचड़ी पर्व। कार्यक्रम में बच्चों से लेकर संगठन के सभी सदस्यों की सहभागिता रही है। नगर निगम ब्रांड एम्बेसडर निशा किन्नर जी ने कहा कि युवाओं का इस पर्व से जुड़ना और सहयोग करना युवा पीढी में सनातन संस्कृति के प्रति नई दिशा प्रदान करेगी। इस अवसर पर सुशील

प्रसन्ना, विजय कुमार श्रीवास्तव, महंत शिवराम दास, गोरखपुरिया भोजपुरिया संस्थापक विकास श्रीवास्तव, सह संस्थापक नरेंद्र मिश्रा, जया तिवारी, डॉ अशोक कुमार चंद्रा, निखिल दुबे, यशी श्रीवास्तव, अभिषेक गौर, निशा सिंह, खुशबू कश्यप, नवकिरण ओझा, नीतीश सिंह, नैना कश्यप, नितिन कश्यप, युवराज मगहिया, अभिषेक सिंह, अश्वनी मौर्य, रिमझिम अग्रवाल, अंकित अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, सावन कुमार आदि उपस्थित थे

भारत-नेपाल सीमा के पगडंडी से घुसपैठ कर रहा था, पकड़ा गया चीन का नगरिक

संवाददाता

गोरखपुर। महराजगंज में मंगलवार की सुबह भारत नेपाल सीमा सोनौली बॉर्डर के पगडण्डी मार्ग डंडा पुल फरेनिया गांव के निकट नेपाल से भारत मे प्रवेश करने के दौरान सुरक्षा एजेंसियों ने एक चीनी नागरिक को गिरफ्तार कर लिया। एसएसबी उससे पूछताछ कर रही है।बताया जा रहा है कि चाइनीज नागरिक अवैध रूप से भारत मे जाने का प्रयास कर रहा था। सीमा पर गश्त कर रहे पुलिस और एसएसबी की टीम को देखकर भागने लगा जिसे टीम ने दौड़ा कर पकड़ लिया। कोतवाल अंकित सिंह के अनुसार, चीनी नागरिक पकड़ा गया है। अभी सुरक्षा एजेंसियां पूछताछ कर रही है

खिचड़ी मेले में श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से हुई पुष्पवर्षा

संवाददाता

गोरखपुर। गोरखनाथ मंदिर का खिचड़ी मेला श्रद्धालुओं की संख्या के मामले में अभूतपूर्व रहा तो उनका स्वागत भी दिल जीतने वाला रहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशानिर्देश पर मेले में आए श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की गई। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर गोरखनाथ मंदिर में आयोजित विश्व प्रसिद्ध खिचड़ी मेले में आए लाखों श्रद्धालु योगी सरकार की तरफ से किए गए अभिवादन से अभिभूत हो गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर खिचड़ी मेले में आए श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की गई। इस अभूतपूर्व स्वागत से हर्षित श्रद्धालुओं ने शिवावतार गुरु गोरक्षनाथ के खूब जयकारे लगाए और मुख्यमंत्री के प्रति अपनी कृतज्ञता ज्ञापित की। गोरखनाथ मंदिर का खिचड़ी मेला श्रद्धालुओं की संख्या के मामले में अभूतपूर्व रहा तो उनका स्वागत भी दिल जीतने वाला रहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशानिर्देश पर मेले में आए श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की गई।

संक्षिप्त समाचार

जनपद में सिर्फ 51 पशु आश्रय केंद्र, खेतों में घूम रहे छुट्टा पशु

संवाददाता

गोरखपुर। छुट्टा पशुओं से फसलों के होने वाले नुकसान को बचाने के लिए शासन का निर्देश है कि जिले में पशु आश्रय केंद्र बनाकर छुट्टा पशुओं को वहां रखा जाए। लेकिन इस समय जिले में 51 पशु आश्रय स्थल बनाए गए हैं। उनमें 4800 पशुओं को रखा गया है। इसके बाद भी बहुत से छुट्टा पशु गांव के सिवान और सड़कों पर घूम रहे हैं।छुट्टा पशुओं से फसलों के हो रहे नुकसान की शिकायत आए दिन किसान करते रहते हैं। विपक्ष भी इस पर सवाल उठाता रहा। इसे देखते हुए पिछले साल शासन की तरफ से उन पशुओं को पकड़ने के लिए चार काऊ कैचर उपलब्ध कराया गया है। कुछ दिनों तक उसे जगह जगह लगाकर पशुओं को पकड़ा गया। लेकिन अब उस पर कार्य नहीं हो रहा है। पशु पालन विभाग के एक जिम्मेदार के मुताबिक इसकी शिकायत होने पर उसे भेजा जाता है। जबकि शासन की तरफ से हर ग्राम सभा में ग्राम समाज की जमीन पर गो-आश्रय स्थल केंद्र बनाने को कहा गया था। बावजूद इसके अब तक जनपद में मात्र 51 केंद्र बने हुए हैं।

10 हजार रुपये का था इनामी, डाक विभाग में जालसाज करता रहा काम

संवाददाता

गोरखपुर। चौरीचौरा थाने से एक साल से वांछित 10 हजार के इनामी जालसाज रामानंद उर्फ पप्पू यादव ने सोमवार को सिविल कोर्ट में सरेंडर कर दिया। हैरान करने वाली बात है कि इस दौरान भी जालसाज डाकघर सरदारनगर के अंतर्गत बसडीला गांव में पोस्टमैन के पद पर बना रहा। विभाग ने न तो खोज खबर ली ना ही कोई कार्रवाई की। एक साल तक पुलिस को चकमा देकर जब जालसाज ने सरेंडर किया तब विभाग ने उसके खिलाफ लिखा पढ़ी शुरू की है।चौरीचौरा पुलिस के लिए सोमवार का दिन बहुत ही चुनौतीपूर्ण रहा। अलग-अलग मामलों में थाने से वांछित चल रहे इनामी बदमाशों ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया। जालसाजी में रामानंद उर्फ पप्पू यादव ने सिविल कोर्ट और दुष्कर्म के मामले में भागा बदमाश चंदन सिंह ने कुशीनगर में कोर्ट में सरेंडर किया। कई लोग चौरीचौरा पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठा रहे हैं।जानकारी के मुताबिक, चौरीचौरा के रामानंद उर्फ पप्पू यादव पर बाल बुजुर्ग गांव के पप्पू यादव ने जालसाजी का केस दर्ज कराया था। आरोप लगाया था कि उनके लड़के तेज प्रताप यादव को भारतीय स्टेट बैंक में नौकरी दिलाने के नाम पर पप्पू यादव ने 7.30 लाख रुपये ले लिया था। काम नहीं होने पर जब रुपया वापस मांगा तो एक्सिस बैंक का एक चेक दिया जो बाउंस हो गया।

पैमाइश के बाद पत्थर उखाड़ने वालों पर सरकारी कार्य में बाधा का होगा केस दर्ज

संवाददाता

गोरखपुर। पैमाइश के बाद पत्थर नसब को उखाड़ने के आरोपियों पर सरकारी काम में बाधा पैदा करने के आरोप में केस दर्ज किया जाएगा। ऐसी लगातार शिकायत मिल रही है कि लेखपाल और कानूनगो की मौजूदगी में सरकारी पत्थर लगाने के बाद कुछ लोग उसे उखाड़ दे रहे हैं। इसको देखते हुए एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने सभी थानेदारों को आदेश दिया है कि पत्थर उखाड़ने वालों पर सरकारी कार्य में बाधा सहित अन्य गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर कार्रवाई की जाए।दरअसल, अपने हिस्से सही निर्धारण के लिए धारा 24 का आवेदन देकर पत्थर नसब की कार्रवाई कराई जाती है। जो पक्ष कार्रवाई के होने से पहले ज्यादा जमीन पर काबिज रहता है, वह पत्थर नसब को नहीं मानता और टीम के जाने के बाद उखाड़ कर फेंक देता है। मामले में कुछ जगह तो लेखपाल की शिकायत पर केस दर्ज हो जाता है। लेकिन कई जगहों पर लेखपाल थाने में तहरीर नहीं देते तो फिर पीड़ित थाने और तहसील का चक्कर लगाता है। यहीं से पत्थर उखाड़ने वालों की गुंडई शुरू हो जाती। बाद में यह बड़े विवाद की भी वजह बनती है।एसएसपी ने मामले में सभी थानेदारों को निर्देश दिया है कि लेखपाल और कानूनगो की मौजूदगी में हुई पैमाइश के बाद पत्थर नसब की कार्रवाई में जो लोग बाधा बनते हैं

आज रात सक्रिय होगा एक और नया पश्चिमी विक्षोभ, दो दिन ऑरेंज अलर्ट

संवाददाता

गोरखपुर। करीब एक महीने से हर दिन मौसम बदल रहा है। रविवार को बूंदाबांदी व शीतलहर के बाद सोमवार को आसमान साफ रहा और तेज धूप निकली। दिन का अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। वहीं न्यूनतम तापमान में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई। मंगलवार रात में फिर एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने पर मौसम बदल जाएगा।सोमवार सुबह आसमान साफ रहा और धूप निकलने के बाद सर्दी का एहसास कम हुआ। दोपहर में अधिकतम तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। इसके अलावा न्यूनतम तापमान में भी बढ़ोतरी हुई। न्यूनतम तापमान 10.09 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

खिचड़ी मेला के लिए सुरक्षा कर्मियों ने संभाला मोर्चा

संवाददाता

गोरखपुर। खिचड़ी मेले की सुरक्षा-व्यवस्था में तैनात पुलिसकर्मियों ने मोर्चा संभाल लिया। वाच टावर से मेला क्षेत्र व परिसर की 24 घंटे निगरानी हो रही है। कड़ी सुरक्षा-व्यवस्था के बीच महाशिवरात्रि तक खिचड़ी मेला चलेगा। श्रद्धालुओं को असुविधा न हो इसके लिए सोमवार से शहर की यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। डायवर्जन का सख्ती से पालन कराया जाएगा। वाहन निर्धारित स्थान पर खड़े होंगे।गोरखनाथ मंदिर परिसर में आने व जाने वाले रास्तों पर सीसी कैमरे लगे हैं। मंदिर के सभी प्रवेश द्वारा पर मोर्चा बनाया गया है। खिचड़ी मेला की सुरक्षा में तीन हजार पुलिस/पीएसी के जवान के साथ ही एटीएस के कमांडो की ड्यूटी लगी है। मंदिर में एक अस्थायी थाना और सात पुलिस चौकियां खोली गई हैं। संदिग्ध पर नजर रखने के लिए परिसर में नौ वाच टावर बना है जिससे 24 घंटे निगरानी की जा रही है। थाने के पास बने कंट्रोल रूम से सबके ऊपर नजर रखी जा रही है।

गुलरिहा बाल सुधार गृह से भागा बाल अपचारी, पहले भी तीन भागे थे

संवाददाता

गोरखपुर। गोरखपुर के बाल सुधार गृह से एक बार फिर से बाल अपचारी कूदकर फरार हो गया है।गोरखपुर के गुलरिहा स्थित बाल सुधार गृह से पीपीगंज निवासी बाल अपचारी फरार हो गया। बताया जा रहा है कि सुबह 9 बजे करीब सुधार गृह की दीवार कूदकर फरार हो गया। पीपीगंज में लड़की भगाने के आरोप में पकड़ा गया था बाल अपचारी। इसके पहले भी तीन बाल अपचारी सुधार गृह से भाग गए थे। काफी मशक्कत के बाद इन्हें वापस पकड़ा गया था। इस दौरान स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया था कि बाल सुधार गृह के बाल अपचारी खिड़की और छत पर खड़े होकर गंदे गंदे गाने गाते हैं।

शिक्षा मंत्री आशीष पटेल बोले...

शोध की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए कराएं औद्योगिक भ्रमण

संवाददाता

गोरखपुर। कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल ने विश्वविद्यालय की नैक ग्रेडिंग, एनआईआरएफ रैंकिंग और बीबीए प्रोग्राम में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए कुलपति एवं समस्त अधिकारियों की प्रशंसा की। बैठक के बाद उन्होंने बहुउद्देशीय भवन में 500 से भी अधिक छात्र-छात्राओं से सीधा संवाद कर उनकी परेशानियों को सुना। उन्होंने एक छात्रा से छात्रावास की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। छात्राओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आत्मरक्षा प्रशिक्षण की अपेक्षा जताई गई।प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल ने सोमवार को मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। उन्होंने कुलपति,

सभी अधिष्ठाता और विभागाध्यक्षों संग बैठक कर शैक्षणिक गतिविधियों के बारे में जानकारी ली। कहा कि लैब्स और रिसर्च सेंटर की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए औद्योगिक भ्रमण, आधुनिक सुविधाओं और व्यावहारिक प्रशिक्षण को प्राथमिकता दी जाए।उन्होंने विश्वविद्यालय की नैक ग्रेडिंग, एनआईआरएफ रैंकिंग और बीबीए प्रोग्राम में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए कुलपति एवं समस्त अधिकारियों की प्रशंसा की। बैठक के बाद उन्होंने बहुउद्देशीय भवन में 500 से भी अधिक छात्र-छात्राओं से सीधा संवाद कर उनकी परेशानियों को सुना। उन्होंने एक छात्रा से छात्रावास की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। छात्राओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आत्मरक्षा प्रशिक्षण की अपेक्षा जताई गई।उन्होंने जनपदीय अभियांत्रिकी विभाग के छात्रों को अरुणाचल प्रदेश में नवनिर्मित डैम और चिनाब ब्रिज के दौरे पर ले जाने वादा किया। मंत्री ने विश्वविद्यालय में खेल एवं अन्य सुविधाओं की जानकारी ली।

एक ही मकान के हो गए दो नंबर, रिकॉर्ड गायब- अब जांच शुरू

संवाददाता

गोरखपुर। बशारतपुर खरैया पोखरा निवासी गोविंद विश्वकर्मा ने नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल को पत्र देकर बताया कि उनका मकान पिता दिवंगत रामप्यारे के नाम से है। उनकी मौत के बाद दोनों भाइयों का नाम कर निर्धारण सूची में दर्ज होना था लेकिन भतीजे ने किसी तरह अपने नाम से एक नया मकान नंबर आवंटित करवा लिया। जबकि, उसके पहले भाई का नहीं हुआ है। अब पुराने मकान नंबर का संपत्ति कर भुगतान के लिए उनके पास नोटिस आया है।नगर निगम में कर निर्धारण सूची को लेकर एक अलग मामला आया है। इसमें एक ही मकान के दो नंबर आवंटित हो गए हैं। ये कैसे हो गया इसके बारे में किसी को जानकारी नहीं है। शिकायत के बाद नगर आयुक्त ने इसमें जांच के निर्देश दिए हैं लेकिन इससे जुड़े रिकॉर्ड ही गायब हैं।बशारतपुर खरैया पोखरा निवासी गोविंद विश्वकर्मा

ने नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल को पत्र देकर बताया कि उनका मकान पिता दिवंगत रामप्यारे के नाम से है। उनकी मौत के बाद दोनों भाइयों का नाम कर निर्धारण सूची में दर्ज होना था लेकिन भतीजे ने किसी तरह अपने नाम से एक नया मकान नंबर आवंटित करवा लिया। जबकि, उसके पहले भाई का नहीं हुआ है। अब पुराने मकान नंबर का संपत्ति कर भुगतान के लिए उनके पास नोटिस आया है।गोविंद का आरोप है कि सूची में नाम दर्ज करवाने से पहले उनको नोटिस भी नहीं मिली थी। साथ ही एक मकान का यदि बंटवारा होता है तो उसी नंबर से जुड़ा नया नंबर आवंटित होता है। लेकिन इस केस में अलग मकान नंबर मिला है। कर अधीक्षक से बात करने पर भी कोई सुनवाई नहीं हो रही।

हॉस्पिटल संचालक से 50 लाख रुपये की धोखाधड़ी

फाइनेंस कराने के नाम पर कर दिया फ्रॉड

संवाददाता

गोरखपुर। हॉस्पिटल फाइनेंस लीगलाइज कराने के नाम पर रामकुमार ने मुलाकात तमिलनाडु निवासी के. मुनि सामी से कराई। बोला कि यह काम करा देंगे। इसके लिए 50 लाख रुपये देने होंगे। मुनि सामी की बात पर विश्वास करके 10 जनवरी 2022 को 45 लाख रुपये का चेक उसके खाते में लगाया। इसके बाद 31 जनवरी 2022 को सीए बी. प्रवीन के खाते में बाकी की रकम भेज दी। रामगढ़ताल क्षेत्र के लालजी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल संचालक शिवबचन प्रजापति के साथ 50 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। संचालक की तहरीर पर रामगढ़ताल थाने में सोमवार को तमिलनाडु के कुष्णागिरी कुललुकुरिक्कल निवासी के. मुनिसामी, आरोपी के सीए बी. प्रवीण और गाजियाबाद इंद्रापुरम शिप्रा श्रृष्टि अपार्टमेंट निवासी रामकुमार पर केस दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है।रामगढ़ताल क्षेत्र के कादम्बिनी हाइट्स निवासी संचालक शिवबचन ने तहरीर देकर बताया है कि दिल्ली मयूर विहार में मेरा एक फ्लैट है। वहां व्यापार के सिलसिले में हमेशा जाता रहता हूं। वहां पर मुलाकात रामकुमार से हुई। बातचीत करते करते विश्वास बढ़ गया। हॉस्पिटल के नाम से फाइनेंस कराने के लिए रामकुमार से बात हुई।हॉस्पिटल फाइनेंस लीगलाइज कराने के नाम पर रामकुमार ने मुलाकात तमिलनाडु निवासी के. मुनि सामी से कराई। बोला कि यह काम करा देंगे। इसके लिए 50 लाख रुपये देने होंगे। मुनि सामी की बात पर विश्वास करके 10 जनवरी 2022 को 45 लाख रुपये का चेक उसके खाते में लगाया।शिवबचन का आरोप है कि रुपये लेने के बाद फाइनेंस एग्रीमेंट लीगलाइज करवाने में हीला-हवाली करने लगे। कहा कि काम नहीं हो पा रहा है तो रुपये वापस कर दीजिए। तब आरोपी बोले कि काम भी नहीं हो पाएगा रुपये भी वापस नहीं करेंगे। जो करना है कर लो।

नौका विहार पर जश्न मनाना था...मना मातम

जन्मदिन से पहले दुनिया से चली गई 'परी'

संवाददाता

गोरखपुर। परी की मां अंजू देवी परी को याद करके बेहोश हो जा रही हैं। वह परी का फोटो कलेजे से लगाकर बार-बार कह रही हैं कि बेटी मर नहीं सकती है। वह तो थोड़ी देर में आने के लिए कहकर पिता के साथ गई थी। रोती मां को घर और गांव की महिलाएं सांत्वना दे रही हैं। घर पर परिवार, रिश्तेदार और गांव के लोग पहुंचे थे, वे इस घटना से बेहद ही दुखी हैं।जन्मदिन से पहले परी (05) दुनिया से चली गई। 29 जनवरी को उसका जन्मदिन था, नौका विहार पर धूमधाम से जश्न मनाने की तैयारी की गई थी। अभी वह एलकेजी में पढ़ाई की शुरूआत की थी। ए,बी,सी, डी पढ़ाता था, रोज स्कूल छोड़ने जाता था... इतना कहते-कहते पिता रवि कुमार सरोज की आंखें डबडबा गईं। सोमवार को वह बीआरडी मेडिकल कॉलेज में बेटी का पोस्टमार्टम करवा रहे थे।चौरीचौरा के बघाड़ निवासी रवि कुमार ने बताया कि दो बेटियां परी और ढाई साल की बेबी थी। सभी लोग कहते थे कि एक बेटा भी होना चाहिए। मैं उनसे कहता था कि लड़कों से भी कहीं आगे निकलकर बेटियां दिखाएंगी। लेकिन तेज रफ्तार गाड़ी ने बेटी की जिंदगी छीन ली। कार में मैं भी था, भगवान बेटी को छोड़कर मेरी जिंदगी ले लेता तो अच्छा था।परी की मां अंजू देवी परी को याद करके बेहोश हो जा रही हैं। वह परी का फोटो कलेजे से लगाकर बार-बार कह रही हैं कि बेटी मर नहीं सकती है। वह तो थोड़ी देर में आने के लिए कहकर पिता के साथ गई थी। रोती मां को घर और गांव की महिलाएं सांत्वना दे रही हैं। घर पर परिवार, रिश्तेदार और गांव के लोग पहुंचे थे, वे इस घटना से बेहद ही दुखी हैं। वहीं उनकी दूसरी बेटी मासूम बेबी कुछ भी समझ नहीं पा रही है। उसे अपनी दीदी का अभी भी इंतजार है। बघाड़ निवासी मुनिब पीडब्ल्यूडी से सेवानिवृत हैं। मुनिब के इकलौते बेटे रवि कुमार को जब पांच साल पहले बेटी पैदा हुई तो दादा सबसे अधिक खुश हुए थे। मुनिब बोले कि नातिन परी की तरह दिखती थी, इसलिए उसका नाम रख दिया। घर में परी को हर कोई खूब लाड प्यार करता था। मुनिब ने बताया कि रविवार को रवि अपनी बहन के ससुराल सहजनवां खिचड़ी पहुंचाने जा रहे थे। तब परी भी साथ में जाने की जिद करने लगी। तब मां ने कहा कि बहुत जल्द बुआ घर पर आएंगी तब मिल लेना, लेकिन वह जिद पर अड़ी रही। इस वजह से उसे भी साथ लेकर रवि गए।

दैनिक जनस्पर्श
गोरखपुर, 15 जनवरी, 2025
4

उत्तर प्रदेश स्पर्श

samachar.jansparsh@gmail.com

गंगा स्नान के बाद ठीक हो गया लॉरेन पॉवेल का स्वास्थ्य

भीड़ के चलते खराब हो गई थी तबीयत

प्रयागराज (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से मंगलवार को जारी एक बयान के मुताबिक, सनातन धर्म के बारे में जानने का उनका उत्साह बरकरार है। लॉरेन पॉवेल अपने गुरु निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि के शिविर में पहुंची है। कैलाशानंद गिरि ने उनका कमला नामकरण किया है। महाकुंभ में भारी भीड़ से अभिभूत एप्पल के सह-संस्थापक स्टीव जॉब्स की पत्नी प्रयागराज पहुंचने के बाद अस्वस्थ हो गईं। उनका स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो गया, लेकिन गंगा स्नान और आराम के बाद उनकी हालत में सुधार हो रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से मंगलवार को जारी एक बयान के मुताबिक, सनातन धर्म के बारे में जानने का उनका उत्साह बरकरार है। लॉरेन

पॉवेल अपने गुरु निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि के शिविर में पहुंचीं हैं। कैलाशानंद गिरि ने उनका कमला नामकरण किया है। सरकारी बयान में स्वामी कैलाशानंद के हवाले से कहा गया है लॉरेन सोमवार को थोड़े समय के लिए अस्वस्थ थीं, लेकिन गंगा स्नान और आराम के बाद बेहतर महसूस कर रही हैं। सनातन धर्म के बारे में गहराई से जानने का उनका उत्साह बरकरार है। स्वामी कैलाशानंद ने एक समाचार एजेंसी को बताया कि भीड़ के कारण उन्हें कुछ स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ा। उन्होंने अपनी नई शिष्या पॉवेल को सनातन धर्म में गहरी रुचि रखने वाली सरल और विनम्र महिला बताया। उन्होंने कहा कि वह अहंकार से मुक्त हैं और अपने गुरु के प्रति पूरी तरह समर्पित हैं।उन्होंने कहा कि उनके सभी प्रश्न सनातन धर्म के इर्द-गिर्द घूमते हैं और उन्हें उत्तरों में बहुत खुशी और संतुष्टि मिलती हैं। पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी के प्रमुख महंत रवींद्र पुरी ने बताया कि लॉरेन की आध्यात्मिकता की खोज उन्हें महाकुंभ में ले आई। यहां उनको नया नाम दिया गया है। वह बहुत ही सरल, सौम्य हैं और यहां हैं। आध्यात्मिकता की उनकी खोज उन्हें यहां ले आई। जिस तरह से उन्होंने अखाड़े में खुद को संचालित किया है उससे यह स्पष्ट होता है कि दुनिया के सबसे अमीर और सबसे प्रसिद्ध लोगों में से एक होने के बावजूद, वह अहंकार रहित हैं और दिखावा नहीं करती हैं।यहां वह सादे कपड़े पहनती हैं और आचरण करती हैं। वह लो प्रोफाइल रहती हैं। वह यहां हमारी शाश्वत और कालजयी सनातनी संस्कृति, सभी चेतनाओं के मूल को देखने आई हैं। वह यहां सनातनी आस्था के प्रहरियों, साधु-संतों से मिल रही हैं। पुरी ने कहा कि कहा कि लॉरेन पहली बार कुंभ में आई हैं। यह पूछे जाने पर कि वह कितने समय तक यहां रहेंगी। वह रविवार को हमारे घर, निरंजनी अखाड़े में आईं और कुछ दिनों तक यहां रहेंगी।

महाकुंभ में डुबकी लगाने के बाद सोलापुर के पूर्व मेयर की मौत, पड़ा दिल का दौरा

प्रयागराज (संवाददाता)। महाकुंभ में संगम स्नान करने आए सोलापुर महाराष्ट्र के पूर्व महौपुर महेश कोठे की मौत हो गई। संगम में डुबकी लगाने के बाद उन्हें दिल का दौरा पड़ गया। अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। महाकुंभ पर संगम स्नान करने पहुंचे सोलापुर (महाराष्ट्र) के पूर्व महापौर महेश कोठे की मौत हो गई। मकर संक्रांति के मौके पर डुबकी लगाने के बाद उन्हें तेज ठंड लग गई। जब तक लोग कुछ समझ पाते उनकी अटैक से मौत हो गई। ठंड में रक्त के थक्के के कारण उन्हें दिल का दौरा पड़ा। महेश कोठे अपने कुछ दोस्तों के साथ कुंभ मेले में हिस्सा लेने गए थे।महेश कोठे महाकुंभ मेले में स्नान करने के लिए आए थे। मकर संक्रांति के मौके पर उन्होंने संगम में डुबकी लगाई। कुछ देर बाद उन्हें ठंड लगने लगी। उनका खून जम गया और उन्हें अटैक आ गया। तत्काल उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी मौत हो चुकी थी। कोठे महाराष्ट्र में एनसीपी (शरद पवार) के नेता थे पूर्व केंद्रीय मंत्री सुशील कुमार शिंदे के करीबी थे।

संक्षिप्त समाचार

नकली बीज बना किसानों की चिंता का सबब

एटा (संवाददाता)। बाजारों में बिक रहा नकली और गुणवत्ताहीन बीज किसानों के लिए चिंता का सबब बना हुआ है। हाल ही में सरसों के बीज के दो नमूने जांच में फेल पाए गए हैं। जबकि बुवाई के समय ये बीज बाजारों में खपकर खेतों में बो दिया गया। किसानों की चिंता यही है कि इससे पैदावार कैसी मिलेगी ?नकली बीज का खेल हर फसल की बुवाई के समय चलता है। रोकथाम और कार्रवाई के नाम पर जिम्मेदार छापामार कर जांच के लिए कुछ सैंपल भी ले लेते हैं, लेकिन जब तक इनकी जांच होकर आ पाती है, बीज बाजारों से खत्म हो गया होता है और इसकी बुवाई कर दी गई होती है। इसका खामियाजा किसानों को ही उठाना पड़ता है। कहीं पौधे निकलने में ही समस्या होती है तो कहीं पैदावार में काफी गिरावट आ जाती है। इस स्थिति में किसानों की मेहनत और रुपये के अलावा एक फसल का सीजन बर्बाद हो जाता है।

डिपो के बेड़े में इसी माह 11 नई बसें होंगी शामिल, यात्रियों को मिलेगी राहत

एटा (संवाददाता)। इसी माह डिपो के बेड़े में 11 नई बसें शामिल होने की उम्मीद है, लोकल के साथ-साथ लंबे रूट पर भी इन बसों को चलाया जाएगा। इससे यात्रियों को राहत मिलेगी और राजस्व में वृद्धि होगी।जिला मुख्यालय पर स्थित डिपो में वर्तमान में 168 बसें हैं। जिनमें से 81 निगम की और 86 बसें अनुबंधित हैं। प्रयागराज में हो रहे महाकुंभ के आयोजन में जिले से 81 बसें भेजी जानी हैं, जो प्रयागराज से आसपास के क्षेत्र में विभिन्न मार्गों पर चलाई जाएंगी। यहां से निगम की सारी बसें जाने के बाद अनुबंधित बसों से सहारे जिले के लोग यात्रा करेंगे। जिससे कई रूट पर बसों की समस्या रहेगी। इसको ध्यान में रखते हुए निगम की ओर से अलीगढ़ रीजन को लगभग 65 बसें इसी माह दी जा रही हैं।एआरएम नरेश चंद्र गुप्ता ने बताया कि कुंभ में बसों के जाने के कारण यात्रियों को किसी प्रकार की समस्या नहीं होने दी जाएगी। इसी को ध्यान में रखते हुए अलीगढ़ रीजन के लिए इसी माह आने वाली लगभग 65 बसों में से जिले को 11 नई बसें मिलने की उम्मीद है। इन बसों के आने के बाद यात्रियों को राहत मिलेगी और लंबे रूट के साथ ही स्थानीय लोकल रूटों पर भी बसों का संचालन किया जा सकेगा।

20 से कम हुए विद्यार्थी तो दूसरे विद्यालय में देंगे प्रयोगात्मक परीक्षा

एटा (संवाददाता)। यूपी बोर्ड की प्रयोगात्मक परीक्षाएं 1 फरवरी से शुरू हो रहीं हैं। परीक्षा सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में होगी। शिक्षा परिषद ने आदेश दिए हैं कि जिन विद्यालयों में 20 से कम परीक्षार्थी हैं, उनमें परीक्षा नहीं कराई जाएगी। यह विद्यार्थी दूसरे विद्यालयों में परीक्षा देने के लिए जाएंगे।हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षाएं 24 फरवरी से शुरू होकर 12 मार्च तक चलेंगी। इससे पहले 1 से 8 फरवरी तक इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा होगी।इसे कराने के लिए दूसरे जनपदों से परीक्षक के रूप में शिक्षक जिले में भेजे जाएंगे। प्रयोगात्मक परीक्षा सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में होगी, वॉयस रिकार्डर भी रहेंगे। शिक्षा परिषद से अब निर्देश जारी हुए हैं कि जिन विद्यालयों में 20 से कम विद्यार्थी हैं, ऐसे विद्यार्थियों की परीक्षा पड़ोस के विद्यालय में कराई जाएगी। इसके अलावा परीक्षा के दौरान केंद्र व्यवस्थापक तैनात रहेंगे। डीआईओएस डॉ. इंद्रजीत ने बताया कि शिक्षा परिषद से जो आदेश आया है, प्रधानाचार्यों को उसके बारे में अवगत करा दिया गया है।

चुनावी रंजिश में हमले के दोषी सगे भाइयों समेत चार को तीन-तीन वर्ष की सजा

संवाददाता

कौशाम्बी। एडीजे एफटीसी द्वितीय आभा पाल की अदालत ने चुनावी रंजिश में सगे भाइयों पर जानलेवा हमला करने के 11 साल पुराने मामले की सुनवाई की। अदालत ने सोमवार को दोषी सगे भाइयों समेत चार के खिलाफ तीन-तीन साल की सजा सुनाने के साथ ही दो-दो हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है।करारी कस्बे के अंसारगंज मोहल्ला निवासी मोख्तार अहमद ने बताया कि 16 सितंबर 2013 को चुनावी रंजिश के चलते उसके बेटे इश्तियाक व शरताज पर पड़ोसी कमाल ने अपने भाई चांदबाबू व किंगनगर मोहल्ला निवासी दिलशाद और सोनारन का टोला मोहल्ले के अफरोजके साथ मिल गाली-गलौज करते हुए जानलेवा हमला किया था। मामले में मोख्तार अहमद की तहरीर पर सगे भाइयों समेत चारों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज हुआ।पुलिस ने विवेचना कर आरोप पत्र कोर्ट में दाखिल किया। प्रकरण की सुनवाई एडीजे एफटीसी द्वितीय की अदालत में चली।

गेम खेल रहे बच्चे के हाथ से मोबाइल ले उड़े पल्सर सवार

संवाददाता

कौशाम्बी। कस्बे के करन चौराहा स्थित दुकान पर सोमवार अपराह्न मोबाइल पर गेम खेल रहे बच्चे के हाथ से पल्सर सवार उचक्के मोबाइल छीनकर फरार हो गए। वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस घटना की छानबीन कर रही है।बेनीराम कटरा निवासी अरविंद कुमार साहू ने करन चौराहा पर बाइक रिपेयरिंग की दुकान खोल रखी है। उन्होंने बताया कि सोमवार को उनका साला गोलू साहू निवासी बसोहनी आया था। गोलू के साथ उनका लड़का आदित्य दोपहर को दुकान पर आए। वहीं पर बैठकर आदित्य अपने मामा गोलू का मोबाइल लेकर गेम खेलने लगा।आरोप है कि इसी बीच पल्सर सवार दो युवक दुकान पर आए और झपट्टा मारकर बेटे आदित्य के हाथ से मोबाइल छीनकर तेजी से भाग निकले। पूरे घटनाक्रम की वारदात पास की दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। दिनदहाड़े हुई मोबाइल छिनैती के बाद मौके पर भीड़ जुट गई। मामले की तहरीर पुलिस को दे दी गई है। पुलिस घटना की छानबीन कर रही है।पिपरी कोतवाकी के महमूदपुर मनौरी निवासी प्रेमचंद्र ने बताया कि रविवार को वह बाइक से पूरामुफ्ती गया था। थाने के करीब एक गेस्ट हाउस के पास वह अपनी बाइक खड़ी कर सामान खरीदने लगा।

यति नरसिंहानंद के कक्ष के बाहर पकड़ा गया मुस्लिम नाम का संदिग्ध, पुलिस के हवाले किया गया

प्रयागराज (संवाददाता)। यति नरसिंहानंद सेक्टर 20 स्थित दूधेश्वर नाथ मठ में ठहरे आए हैं। वह आठ जनवरी को मेले में पहुंचे थे। उनकी जनसंपर्क अधिकारी डॉ. उदिता ने बताया कि सोमवार रात स्वामी जी अपने कक्ष में विश्राम कर रहे थे। इसी दौरान एक संदिग्ध युवक उनके कक्ष के बाहर तक पहुंच गया।जूना अखाड़े के स्वामी यति नरसिंहानंद के कक्ष के बाहर सोमवार देर रात संदिग्ध युवक पकड़ा गया। पूछताछ पर उसने खुद को मुस्लिम बताया। अनुयायियों ने उसे पुलिस के हवाले कर दिया। देर रात तक उससे पूछताछ चलती रही।यति नरसिंहानंद सेक्टर 20 स्थित दूधेश्वर नाथ मठ में ठहरे आए हैं। वह आठ जनवरी को मेले में पहुंचे थे। उनकी जनसंपर्क अधिकारी डॉ. उदिता ने बताया कि सोमवार रात स्वामी जी अपने कक्ष में विश्राम कर रहे थे। इसी दौरान एक संदिग्ध युवक उनके कक्ष के बाहर तक पहुंच गया।मठ में मौजूद सेवादारों की नजर पड़ी तो उन्होंने उससे पूछताछ की। इस पर वह घबरा गया। यह तक नहीं बता पाया कि वह किससे मिलने आया है। यह भी कहा कि उसका नाम आयुष है। हालांकि जब सख्ती से पूछताछ हुई तो उसने अपना नाम अयूब और खुद को जनपद एटा का रहने वाला बताया। इसके बाद पुलिस को बुलाया गया और युवक को उनके सुपुर्द कर दिया गया।डॉ. उदिता ने यह भी बताया कि स्वामी जी की सुरक्षा के लिए एक दिन पहले ही उन्होंने डीआईजी मेला वैभव कृष्ण को पत्र दिया है।

तड़के ही उमड़ा 80 लाख श्रद्धालुओं का रेला, बैरिकेडिंग तोड़ पहुंचे संगम

प्रयागराज (संवाददाता)। सुबह के करीब 6 बजे रहे थे। अमृत स्नान के लिए सबसे पहले महानिवार्णी अखाड़े के संत संगम नोज के लिए निकल चुके थे। यह वह वक्त था जब 80 लाख के करीब श्रद्धालु मेले में प्रवेश कर चुके थे और संगम अपर मार्ग होते हुए तेजी से संगम की ओर बढ़ रहे थे।सुबह के करीब 6 बजे रहे थे। अमृत स्नान के लिए सबसे पहले महानिवार्णी अखाड़े के संत संगम नोज के लिए निकल चुके थे। यह वह वक्त था जब 80 लाख के करीब श्रद्धालु मेले में प्रवेश कर चुके थे और संगम अपर मार्ग होते हुए तेजी से संगम की ओर बढ़ रहे थे। हालात यह हुए कि संगम नोज टॉवर

नंबर एक से करीब 100 मीटर पहले ही अखाड़ा मार्ग पर की गई बैरिकेडिंग तोड़कर श्रद्धालु अखाड़ा मार्ग पर आ गए। यह देख अफसरों के हाथ-पांव फूल गए। बाद में आईटीबीपी के जवानों ने एक दूसरे का हाथ पकड़कर सुरक्षा घेरा बनाया और फिर सभी ने राहत की सांस ली।मकर संक्रांति पर भीड़ उमड़ेगी लेकिन तड़के ही श्रद्धालुओं की संख्या 80 लाख को पार कर जाएगी, इसका अंदाजा किसी ने नहीं लगाया था। यही वजह रही कि अखाड़ों के साधु-संतों के अमृत स्नान के दौरान भीड़ को नियंत्रित करने के लिए किए गए सारे इंतजाम धरे रह गए।संगम पर पड़े आस्थावानों के ज्वार के आगे अखाड़ों के अमृत स्नान के लिए निर्धारित मार्ग की बैरिकेडिंग टिक नहीं सकी। टॉवर नंबर वन के पास स्थित मोड़ से लेकर संगम नोज तक कम से कम 10 जगहों से बैरिकेडिंग तोड़कर श्रद्धालुओं की भीड़ आगे बढ़ गई।श्रद्धालु अखाड़ा मार्ग से आगे तो बढ़े ही, संगम नोज के बाएं साइड में स्थित घाट पर पहुंचकर स्नान किया। साथ ही अखाड़ों के साधु-संतों के पांव भी छुए। संतो नें भी उन्हें निराश नहीं किया। आमतौर पर संगम स्नान के लिए जाते वक्त थोड़े भी व्यवधान से नाराज होने वाले साधु-संत मंगलवार को अलग ही रूप में नजर आए।

यूपी सरकार ने दूसरे दिन भी सभी घाटों और अखाड़ों पर हेलीकॉप्टर से करवाई पुष्पवर्षा

प्रयागराज (संवाददाता)। महाकुम्भ मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं पर स्नान पर्वों के मौके पर पुष्प वर्षा को लेकर योगी सरकार के निर्देश पर उद्यान विभाग ने पिछले काफी समय से तैयारी कर रखी थी।महाकुम्भ 2025 के पहले अमृत स्नान मकर संक्रांति के दिन मंगववार को संगम तट पर डुबकी लगाने पहुंचे करोड़ों श्रद्धालुओं पर योगी सरकार ने हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा कराई। हेलीकॉप्टर से सभी घाटों और अखाड़ों पर स्नान के दौरान श्रद्धालुओं पर फूलों की बारिश की गई। गुलाब की पंखुड़ियों की बारिश देख संगम तट पर मौजूद श्रद्धालुओं ने अभिभूत होकर जय श्री राम और हर हर महादेव के नारे लगाए।महाकुम्भ मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं पर स्नान पर्वों के मौके पर पुष्प वर्षा को लेकर योगी सरकार के निर्देश पर उद्यान विभाग ने पिछले काफी समय से तैयारी कर रखी थी। इसके लिए गुलाब की पंखुड़ियों की

खास तौर पर व्यवस्था की गई थी। महाकुम्भ के सभी स्नान पर्वों पर पुष्प वर्षा कराने की तैयारी की गई है। प्रत्येक स्नान पर्व पर लगभग 20 कुंतल गुलाब की पंखुड़ियों की बारिश करने की तैयारी है, जिसकी श्रृंखला में पहले स्नान पर्व पौष पूर्णिमा स्नान पर सोमवार को श्रद्धालुओं पर गुलाब की पंखुड़ियां बरसाई गई थीं, जबकि दूसरे दिन यानी मंगलवार को मकर संक्रांति पर अमृत स्नान के दौरान भी पुष्पवर्षा से श्रद्धालु अभिभूत नजर आए। मालूम हो कि उद्यान विभाग की ओर से पहले दो दिनों के लिए पर्याप्त फूलों की व्यवस्था की गई है। उद्यान विभाग की ओर से इन दो दिनों के लिए 40 क्विंटल से अधिक मात्रा में गुलाब के फूलों का स्टॉक जमा किया गया था।

बेटे की नौकरी तो कोई परीक्षा में पोते के अच्छे अंक आने के लिए घर ले गया संतों की चरण धूलि

प्रयागराज (संवाददाता)। अमृत स्नान के बाद नागा संन्यासियों और अन्य संतों की चरण रज लेने के लिए भक्तों में होड़ मची रही। स्नान करने के बाद जिस रास्ते से संत लौट रहे थे उनके पीछे भक्त दौड़ रहे थे और उनका पैर छूने का प्रयास कर रहे थे। उनके चरण स्पर्श के बाद उनके चरणों के नीचे की धूलि का तिलक माथे पर लगा रहे थे मुट्ठी से बटोरकर उसे बांधकर घर ले जा रहे थे। महाकुंभ पर अमृत (शाही) स्नान के बाद लौट रहे नागा संन्यासियों और संतों की चरण धूलि लेने और चरण स्पर्श करने के लिए होड़ मची रही। बड़ी संख्या में भक्त चरण धूलि को पोटली में बांधकर अपने घर ले गए। उनका कहना था कि चरण रज को घर में रखेंगे जिससे घर पवित्र हो जाएगा और भगवान की कृपा मिलेगी। जिस रास्ते से नागा संन्यासी और संत गुजर रहे थे उनके

पीछे भक्त उनके चरण धूलि को माथे लगाने और बटोरने में जुटे थे।इसके लिए होड़ मची रही। चरण रज घर ले जा रहे भक्तों ने बातचीत में बताया कि बेटे की नौकरी और परीक्षा में पोते को अच्छे अंक मिलें इसके लिए रज को ले जा रहे हैं। बिहार से आए एक भक्त राजेश ठाकुर ने बताया कि वह घर में सुख और शांति के लिए रज रखेंगे। इसी तरह पश्चिम बंगाल के मिदनीपुर की मीनाक्षी देवी ने बताया कि बेटी की शादी और पति की लंबी आयु के लिए वह धूल को अपने साथ ले जा रही हैं। कुंभ 2019 में भी वह चरण रज को घर ले गई थीं और उनकी मनोकामना पूरी हुई थी।

पर्यटकों व श्रद्धालुओं के भ्रमण के लिए खोला गया इलाहाबाद विवि

प्रयागराज (संवाददाता)। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के कला संकाय में स्थित सीनेट हाल 1910 में बनाना शुरू हुआ था और 1915 में यह पूरा हुआ। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग के अध्यक्ष रहे प्रोफेसर योगेश्वर तिवारी बताते हैं कि उस वक्त इसे बनाने में 1167 275 रुपए खर्च हुए थे।महाकुंभ-2025 में प्रयागराज आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के लिए ज्ञान की गंगा के दर्शनार्थ भारत के चौथे प्राचीन विश्वविद्यालय (इलाहाबाद विश्वविद्यालय) के सीनेट परिसर और विजयनगरम् परिसर को भ्रमण के लिए 14 व।15 जनवरी को दो दिनों के लिए खोला गया है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय की जनसंपर्क अधिकारी प्रोफेसर जया कपूर ने बताया कि पर्यटक एवं श्रद्धालु दोपहर 2.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक दोनों परिसरों का भ्रमण कर सकते हैं। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के कला संकाय में स्थित सीनेट हाल 1910 में बनाना शुरू हुआ था और 1915 में यह पूरा हुआ। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग के अध्यक्ष रहे प्रोफेसर योगेश्वर तिवारी बताते हैं कि उस वक्त इसे बनाने में 1167 275 रुपए खर्च हुए थे। सर स्विंटन जैकब ने इसकी डिजाइन तैयार की थी। जिन्होंने राजस्थान में तमाम बड़ी इमारतों का निर्माण कराया था।उस वक्त चांसलर रहे सर जॉन हीवेट ने इसकी आधारशिला रखी थी। सर स्विंटन ने राजपूत और मुगल शैली में इसकी डिजाइन तैयार की थी। इसमें एक घड़ी भी लगी है जिसकी प्रेरणा लंदन की बिग बेन घड़ी से ली गई थी और इस घड़ी को इलाहाबाद में तैयार कराया गया था।

संक्षिप्त सामाचार

अग्निवीर भर्ती का 5वां दिन, घने कोहरे बीच युवाओं ने लगाई फरार्टा दौड़

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ की सैन्य छावनी स्थित आर्मी मेडिकल कोर (एएमसी) स्टेडियम में अग्निवीर रैली भर्ती का आज पांचवां दिन है। यह भर्ती 10 जनवरी से शुरू होकर 22 जनवरी तक चलेगी। इसमें 13 जिलों के करीब 10 हजार युवा शामिल होंगे। भर्तियां कुल 4 ट्रेड्स में हो रही हैं। इनमें अग्निवीर जीडी, टेक्निकल, कार्यालय सहायक और ट्रेड्समैन है। युवाओं को स्टेडियम में तड़के 2 बजे से 5 बजे तक प्रवेश दिया गया है। यह वो अभ्यर्थी हैं, जो पहले ही अग्निवीर लिखित परीक्षा पास कर चुके हैं। इससे पहले सोमवार को अग्निवीर भर्ती रैली स्थल पर जीओसी इंचार्ज लेफ्टिनेंट जनरल अनिंदया सेन गुप्ता भी पहुंचे। मंगलवार सुबह तड़के 2 बजे से अभ्यर्थियों की एंट्री शुरू हुई और 5 बजे तक अभ्यर्थियों को एंट्री दी गई। इस बीच घना कोहरा रहा। एडमिट कार्ड और आधार चेक करके सभी को एंट्री मिली। इसके बाद फिजिकल शुरू हुआ जिसमें 1600 मीटर दौड़ के अलावा हाईजंप और पुलअप्स भी शामिल रहा।

समावेशी शिक्षा का विशेष प्रशिक्षण, 4 जिलों के माध्यमिक शिक्षकों ने हिस्सा लिया

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन में समग्र शिक्षा योजना के तहत आयोजित तीन दिवसीय समावेशी शिक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में लखनऊ, बरेली, शाहजहांपुर और अयोध्या के माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों ने हिस्सा लिया। यह प्रशिक्षण वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए उद्यमिता विकास संस्थान, लखनऊ में आयोजित किया गया। सीटीई लखनऊ के प्राचार्य विष्णु श्याम द्विवेदी ने समापन समारोह में कहा- यह प्रशिक्षण शिक्षकों की कार्यशैली में सकारात्मक बदलाव लाएगा और समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देगा। कार्यक्रम के प्रोजेक्ट हेड अखिलेश सिंह ने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे प्रशिक्षण में सीखी गई तकनीकों को कक्षाओं में लागू करें। प्रशिक्षण में कई विषय विशेषज्ञों ने अपना योगदान दिया, जिनमें संजीव कुमार सिंह, डॉ. सुधीर कुमार सिंह, रविरंजन सिंह, डॉ. सुनीता सिंह, डॉ. अरविंद अवस्थी और डॉ. अमरजीत शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन धर्मेंद्र सचान और शारदा सचान ने किया। समापन समारोह में सीटीई लखनऊ के वरिष्ठ संकाय सदस्य और अधिकारी भी मौजूद रहे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को समावेशी शिक्षा की नवीन पद्धतियों से अवगत कराना और उन्हें अपने विद्यालयों में इसे प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए तैयार करना था। कार्यक्रम ने शिक्षकों को समावेशी शिक्षा के महत्व को समझने और इसे व्यावहारिक रूप से लागू करने का अवसर प्रदान किया।

चाइनीज मांझे से युवक का गला कटा, 15 टांके लगे

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में चाइनीज मांझे से एक युवक का गला कट गया। रील में धार इतनी तेज थी कि कुछ ही सेकेंड में वह खून से लथपथ हो गया। उसे राहगीरों ने उठाकर केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया। इलाज के दौरान डॉक्टरों ने 15 टांके लगाए हैं। घायल रज्जन के मित्र सैयद अली फैजी ने कहा कुछ लोगों का शौक कई लोगों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है। बाजार खाला क्षेत्र में अंश अपार्टमेंट के निवासी रज्जन फ्लाईओवर से जा रहे थे। अचानक चाइनीज मांझे के चपेट में आने से गाड़ी अनियंत्रित हो गई। वह घायल होकर गिर गए। मामले में थ्स् दर्ज कराने का प्रयास किया लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। पीड़ित रज्जन ने लोगों से अपील किया है कि पतंग उड़ाने वाले चाइनीज मांझे का प्रयोग न करें। पतंग बेचने वाले और उड़ाने वाले जो लोग चाइनीज मांझे का इस्तेमाल कर रहे हैं उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। अगर चाइनीज मांझे पर प्रतिबंध नहीं लगा तो इसके खिलाफ आंदोलन करेंगे।

दहेज प्रताड़ना से मलिहाबाद में विवाहिता फांसी पर लटकी, मौत

लखनऊ (संवाददाता)। मलिहाबाद में दहेज प्रताड़ना से परेशान एक विवाहिता ने फांसी लगाकर जान दे दी। मृतका की पहचान वंदना के रूप में हुई, जिसकी शादी एक साल पहले कुंदरा गांव निवासी प्रदीप के साथ हुई थी। मृतका के नाना ने पति और ससुराल वालों पर दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए थाने में शिकायत दर्ज कराई है। मलिहाबाद थाना प्रभारी सतीश साहू ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा- पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वंदना का मायका हरदोई जिले के थाना अतरौली के पास स्थित जमुनीपुर गांव में है। उसके माता-पिता की मौत पहले ही हो चुकी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

भट्ठा मजदूर की संदिग्ध मौत, सड़क किनारे घायल मिला अस्पताल में तोड़ा दम

लखनऊ (संवाददाता)। बंथरा इलाके में भट्ठा मजदूर संदिग्ध परिस्थितियों में सड़क किनारे घायल हालत में पड़ा मिला। गंभीर अवस्था में उसे सरोजनी नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक छत्तीसगढ़ प्रांत के बिलासपुर स्थित सरसैनी गांव में रहने वाला भगवानी (50) बीते 6 माह से बंथरा कस्बे के पास स्थित एक भट्टे पर रहकर मजदूरी करता था। भगवानी सोमवार देर शाम किसी को बिना बताए कहीं चला गया। थोड़ी देर बाद रात में पता चला कि भगवानी बंथरा में नीवा गांव के पास रोड पर शराब के नशे में पड़ा है। उसके सिर पर चोट लगी है। जबकि चर्चा है कि वह शराब के नशे में पैदल जा रहा था, तभी अज्ञात वाहन ने उसे ठोकर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। पुलिस की मदद से उसे घायलावस्था में सरोजनी नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां इलाज के दौरान देर रात उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के परिवार में उसकी पत्नी चंद्रिका के अलावा दो बेटे हैं।

मकर संक्रांति पर विशाल खिचड़ी भोज, हजारों लोगों ने खाई खिचड़ी

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में मकर संक्रांति के पावन अवसर पर देवभूमि सामाजिक एवं सांस्कृतिक समिति, कल्याणपुर द्वारा भव्य खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया। मायापुरी में आयोजित इस कार्यक्रम में हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ लिया। इस अवसर पर उत्तराखंड महापरिषद के अध्यक्ष हरीश चंद पंत और महासचिव भरत सिंह बिष्ट ने उत्तराखंड समाज को उत्तरैणी और मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दीं। समिति ने सामाजिक एकता और समरसता का संदेश देते हुए कई स्थानों पर खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया। हनुमान मंदिर क्षेत्र, कुर्मांचल नगर, रामलीला मैदान, राम भवन कल्याणपुर और कचना बिहारी मार्ग इंदिरानगर में भी खिचड़ी वितरण किया गया, जहां स्थानीय लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया। विशेष रूप से, घर-घर खिचड़ी अभियान के तहत एकत्रित खिचड़ी को महाकुंभ में साधु-संतों के लिए भेजा जाएगा। देवभूमि परिवार की ओर से दो बसें महाकुंभ स्नान के लिए भी जाएंगी।

योगी सरकार यूपी में बनाएगी नई धार्मिक नगरी वाराणसी, प्रयागराज समेत 7 जिले होंगे शामिल

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार ने वाराणसी और प्रयागराज को मिलाकर एक नया धार्मिक और विकास क्षेत्र बनाने का निर्णय लिया है। इस क्षेत्र में दोनों शहरों समेत सात जिले शामिल होंगे। इसका कुल क्षेत्रफल 22,000 वर्ग किलोमीटर से अधिक होगा। प्रदेश सरकार ने इसके लिए एक क्षेत्रीय विकास प्राधिकरण (आरडीए) बनाने की योजना तैयार की है, जो इन दोनों शहरों के धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए विकसित किया जाएगा। इस क्षेत्र को धार्मिक विकास के साथ-साथ औद्योगिक और तकनीकी विकास के लिए भी योजनाबद्ध तरीके से विकसित किया जाएगा। यहां न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि नए रोजगार के अवसर भी उत्पन्न होंगे। साथ ही, औद्योगिक क्षेत्रों और नॉलेज पार्क के निर्माण से इस इलाके की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। नीति आयोग ने भारत को 2047 तक 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य के तहत यूपी में कई क्षेत्रीय विकास प्राधिकरण बनाने की सिफारिश की थी। इस योजना के तहत, पहले चरण में वाराणसी और प्रयागराज को मिलाकर एक क्षेत्रीय विकास प्राधिकरण बनाने का निर्णय लिया गया है। प्रदेश सरकार ने इसके लिए एक प्रस्ताव तैयार किया है, जिसे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने प्रस्तुत किया गया। अब इस प्राधिकरण के गठन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। वाराणसी-प्रयागराज क्षेत्र की वर्तमान आर्थिक स्थिति काफी मजबूत है। इस क्षेत्र की कुल अर्थव्यवस्था लगभग 22.8 अरब डॉलर है, और यहां की कुल जनसंख्या 2.37 करोड़ से ज्यादा है।

बसपा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए घोषित किए स्टार प्रचारक

लखनऊ (संवाददाता)। बहुजन समाज (पार्टी) बसपा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। बसपा के 40 स्टार प्रचारकों में मायावती के बाद दूसरे नंबर पर युवा चेहरे नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद को जगह दी गई है। बसपा की तरफ से मंगलवार को दिल्ली विधानसभा 2025 के स्टार प्रचारकों की सूची के अनुसार पार्टी प्रमुख मायावती, आकाश आनंद, लक्ष्मण सिंह, नितिन सिंह, राजाराम धर्मवीर सिंह, अशोक, सी.पी. सिंह, रणधीर बेनिवाल, सुदेश आर्य, सुजीत सम्राट, राजेश तंवर, सतीश चैधरी, शीशपाल सिंह, ललित कुमार गौतम, उत्तिलराम आजाद, नरेन्द्र पाल सिंह, सुरेश चंद गौतम, सुरेश चंद्रा, योगेश कुमार, डा. सलीम अहमद, राजकुमार, जगदीश मास्टर, उमेश पीपरिया, एड रजनी बौद्ध, शंकर लाल कर्दम, भूपेन्द्र सिंह बेधड़क, दिनेश कुमार गौतम, कैलाश माथुर, दर्शन लाल, पन्ना लाल गौतम, डा. रंजीत राम, प्रेम कुमार गौतम, राजेन्द्र प्रसाद बबल, अरूणा चैटाला, शरीफ अली गुरुदयाल सिंह गौतम, गोतम मोहन, जुगल जाटव, संजीव दोहरे, एस.पी. सागर शामिल हैं। ज्ञात हो कि बसपा सुप्रीमो मायावती ने अकेले अपने बलबूते पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। उन्होंने उम्मीद की है कि पार्टी इस चुनाव में जरूर बेहतर प्रदर्शन करेगी। उन्होंने मतदाताओं से अपील की है कि वे किसी पार्टी के लुभावने वादे के बहकावे में न आकर पूरी समझदारी से बसपा उम्मीदवारों को ही वोट करें। चुनाव आयोग के अनुसार, दिल्ली के साथ ही 5 फरवरी को मतदान होंगे और सभी नतीजे 8 फरवरी को वोटों की गिनती के बाद साथ ही आएंगे।

लखनऊ छावनी में मनाया गया सशस्त्र भूतपूर्व सैनिक दिवस

लखनऊ (संवाददाता)। सूर्या कमान के तत्वाधान में लखनऊ छावनी में 9वां सशस्त्र भूतपूर्व सैनिक दिवस बड़े हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 800 पूर्व सैनिकों की उपस्थिति रही जो सशस्त्र बलों में उनके विश्वास और समाज के साथ उनके मजबूत संबंध का प्रतीक है। इस कार्यक्रम में मध्य कमान के जीओसी-इन-सी (जनरल अफसर कमांडिंग-इन-चीफ) लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता और स्टेशन से बड़ी संख्या में सेवारत अधिकारी उपस्थित थे। समारोह में अपने पूर्व सैनिकों को सम्मानित करने और सेवारत कर्मियों और वेटरन्स समुदाय के बीच एक मजबूत बंधन को बढ़ावा देने के प्रति भारतीय सेना की अटूट प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। समारोह की शुरूआत मध्य कमान के युद्ध स्मारक स्मृतिका पर पुष्पांजलि समारोह के साथ हुई। मध्य कमान के जीओसी-इन-सी लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता ने वरिष्ठ पूर्व सैनिकों के साथ उन शहीद वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की जिन्होंने राष्ट्र की सेवा में अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। इस दौरान सूर्या ऑडिटोरियम में पूर्व सैनिकों को सम्मानित करने लिए एक समारोह आयोजित किया गया। राष्ट्र और समाज में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए दस प्रतिष्ठित पूर्व सैनिकों को उनके उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया। पूर्व सैनिकों के लिए की गई विभिन्न कल्याणकारी पहलों पर भी उन्हें जानकारी दी गई। साथ ही अनुभव, अनुशासन और सेवा-उन्मुख लोकाचार के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में पूर्व सैनिकों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। इस दौरान सूर्या ऑडिटोरियम में लेफ्टिनेंट कर्नल हेम लोहुमी, कर्नल दुष्यंत सिंह, कर्नल आशुतोष मिश्रा (सेवानिवृत्त), स्क्वाड्रन लीडर राखी अग्रवाल, स्क्वाड्रन लीडर अभय प्रताप सिंह (सेवानिवृत्त), कर्नल बीकेडी बैजल, सूबेदार मेजर ऋषि दीक्षित (सेवानिवृत्त), सूबेदार (मानद कैप्टन)) इंदल सिंह (सेवानिवृत्त), नायक कमलेश कुमार पांडे (सेवानिवृत्त) और सूबेदार राजकुमार सिंह (सेवानिवृत्त) को राष्ट्र और समाज में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए उत्कृष्ट उपलब्धि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। साथ ही अनुभव, अनुशासन और सेवा-उन्मुख लोकाचार के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में पूर्व सैनिकों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया।

मिल्कीपुर उपचुनाव: बीजेपी ने खोला पत्ता, चंद्रभान पासवान को बनाया उम्मीदवार

सपा सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे और प्रत्याशी अजीत प्रसाद से होगा मुकाबला

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मिल्कीपुर उपचुनाव में बीजेपी ने चंद्रभान पासवान को उम्मीदवार बनाया है।बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने आज चन्द्रभान पासवान को मिल्कीपुर विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी का प्रत्याशी बनाये जाने की घोषणा की। काफी समय से बीजेपी कार्यकर्ताओ को टिकट फाइनल होने का इंतजार था। आज पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने पत्ता खोल दिया। मिल्कीपुर में चंद्रभान का सीधा मुकाबला समाजवादी पार्टी उम्मीदवार अजीत प्रसाद से होगा। अजीत सपा सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे हैं।चंद्रभानु की पत्नी रूदौली से जिला पंचायत सदस्य हैं।चन्द्रभान बीजेपी जिला कार्यकारिणी के सदस्य होने के साथ चंद्रभान जिला पंचायत के प्रतिनिधि हैं। युवा चेहरा होने की वजह से पार्टी ने चंद्रभान को मौका दिया है।बाबा गोरखनाथ मिल्कीपुर सीट से रेस में थेलेकिन पार्टी ने उन्हें उम्मीदवार नहीं बनाया है। बाबा गोरखनाथ इस सीट से विधायक भी रह चुके हैं। 2022 में गोरखनाथ 13 हजार वोटों से चुनाव हार गए। मिल्कीपुर सीट पर अक्टूबर 2024 में विधानसभा के चुनाव हो जाते लेकिन गोरखनाथ की याचिका की वजह से उस वक्त चुनाव संपन्न नहीं हो पाया। 2022 में मिल्कीपुर से चुनाव जीतकर यूपी विधानसभा पहुंचे अवधेश प्रसाद अब लोकसभा सांसद बन गए हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में अवधेश को फैजाबाद सीट से जीत मिली। फैजाबाद के अधीन ही अयोध्या की सीट है। अवधेश राष्ट्रीय राजनीति में खूब सुर्खियों में रहे।उनकी वजह से रिक्त हुई इस सीट पर सपा ने

अजीत प्रसाद को उम्मीदवार बनाया है। अजीत पहले अमेठी की एक सीट से चुनाव लड़ चुके हैं लेकिन उन्हें जीत नहीं मिली थी।यहां से बीएसपी ने उम्मीदवार नहीं उतारने का फैसला किया है। मिल्कीपुर में बीजेपी की तरफ से योगी आदित्यनाथ और सपा की तरफ से अखिलेश यादव खुद चुनावी कैंपेन संभाले हुए हैं।

केजीएमयू की डॉक्टर हॉस्टल से कूदी, 10 दिन पहले जॉइन किया था

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) की महिला

डॉक्टर हॉस्टल से कूद गई। मंगलवार सुबह वह गंभीर हालत में नीचे पड़ी मिली। गार्ड और साथियों ने उसे ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया। उसकी हालत गंभीर है। वह वेंटिलेटर सपोर्ट पर है। चैक थाना पुलिस की शुरूआती जांच में सामने आ रहा है कि डॉक्टर ने नौकरी के प्रेशर में सुसाइड का प्रयास किया। केजीएमयू प्रवक्ता डॉ. सुधीर सिंह ने बताया घटना सुबह साढ़े 9 बजे की है। रेजिडेंट डॉक्टर प्रकृति वासवानी कानपुर की रहने वाली है। वह मेडिसिन की जूनियर रेजिडेंट है। अभी 10 दिन पहले ही यहां जॉइन किया था। प्रकृति गर्ल्स हॉस्टल में कमरा नंबर-206 में रहती है। ब्लड लॉस की वजह से हालत गंभीर है। दोनों कूल्हे की हड्डी में फ्रैक्चर के साथ ही पैर में भी फ्रैक्चर है। केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर प्रभारी डॉ.प्रेमराज सिंह ने बताया कि सुबह 8 से 8.30 बजे के बीच की घटना है। हॉस्टल में गंभीर हालत में मिली जूनियर डॉक्टर को एम्बुलेंस से ट्रॉमा सेंटर में लाया गया। उसे क्रिटिकल केयर मेडिसिन में वेंटिलेटर सपोर्ट पर भर्ती किया गया है। ट्रॉमा सर्जरी के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ.समीर मिश्रा, डॉ.अनीता सिंह की निगरानी में इलाज चल रहा है।

उत्तर प्रदेश में सरकार बनवा रही 12 नंबर का खास कार्ड, कराना होगा रजिस्ट्रेशन

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार की एक आईडी एक परिवार, योजना से हर परिवार को उनका हक मिल सकता हैउत्तर प्रदेश की सरकार ने हाल ही में एक नई योजना की शुरूआत की है,जिसके तहत हर परिवार को एक यूनिक आईडी दी जाएगी। एक आईडी एक परिवार स्कीम वाले इस कार्ड का उद्देश्य परिवार की वर्तमान सामाजिक और आर्थिक स्थिति की जानकारी एक इकट्ठा करना है। उत्तर प्रदेश सरकार की एक आईडी एक परिवार, योजना से हर परिवार को उनका हक मिल सकता है। सरकार ने हाल ही में एक नई योजना यानी फैमिली आईडी कार्ड की शुरूआत की है, जिसके तहत प्रत्येक परिवार को एक यूनिक आईडी प्रदान की जाएगी। इस यूनिक आईडी का मकसद परिवार की वर्तमान सामाजिक और आर्थिक स्थिति की जानकारी एक जगह इकट्ठा रखना है। यह भी

सुनिश्चित किया जा सकेगा कि वे कौन सी सरकारी योजनाओं से लाभान्वित हो रहे हैं। यूपी सरकार एक परिवार-एक पहचान के तहत अब लोगों को फैमिली आईडी जारी कर रही है। इस योजना के तहत तमाम परिवारों का लाइव डेटा तैयार किया जा रहा है। इसके आधार पर उन्हें राज्य और केंद्र सरकार की कई योजनाओं का सीधा लाभ मिलेगा। इसके लिए विभाग द्वारा लोगों को लगातार जागरूक किया जा रहा है। फैमिली आईडी कार्ड से परिवार को केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित सभी योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सकेगा और इससे योजनाओं की पारदर्शिता और प्रभावशीलता भी बढ़ेगी। इसके तहत परिवार का पूरा डेटा डिजिटल रूप से फीड किया जाएगा। परिवार की सभी जानकारी एक ही जगह पर उपलब्ध होगी, जिससे सरकार को भी परिवार के हर एक सदस्य के बारे में जानने का मौका मिलेगा। जिसके पास राशन कार्ड नहीं है, ऐसे हर परिवार के पास फैमिली आईडी कार्ड होनी चाहिए। यह कार्ड परिवार की हर जरूरत को पूरा करने का माध्यम बनेगा। इसके जरिए हर और गरीब को सीधा लाभ मिलेगा। यह कार्ड 12 अंकों का होगा, जिसमें पूरे परिवार का ब्यौरा होगा।केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को फैमिली आईडी से जोड़ा जा सकता है। फैमिली आईडी के लिए आनलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए परिवार के सभी सदस्यों का आधार नंबर होना जरूरी है। उनका आधार नंबर किसी मोबाइल नंबर से लिंक होना भी अनिवार्य है। परिवार के सभी सदस्यों का मोबाइल नंबर ओटीपी के जरिए सत्यापित हो सके।

आलमंड बोर्ड ऑफ कैलिफोर्निया और एमिटी यूनिवर्सिटी ने फिटनेस टैलेंट हंट के साथ राष्ट्रीय बादाम दिवस मनाया

लखनऊ (संवाददाता)। हर साल 23 जनवरी को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय बादाम दिवस बादाम के अनगिनत स्वास्थ्य लाभों और दैनिक आहार में शामिल किए जाने पर स्वास्थ्य और समग्र तंदुरुस्ती को बढ़ावा देने में उनके योगदान पर प्रकाश डालता है। इस अवसर को मनाने के लिए, आलमंड बोर्ड ऑफ कैलिफोर्निया ने एमिटी यूनिवर्सिटी के साथ साझेदारी में फिटनेस टैलेंट हंट शोरू हेल्थ एंबेसडर ऑफ द ईयर की मेजबानी की। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को बादाम के अविश्वसनीय और व्यापक लाभों पर प्रकाश डालते हुए एक स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। प्रमुख वैज्ञानिक पत्रिकाओं में 200 से अधिक प्रकाशित शोधपत्रों द्वारा समर्थित, बादाम पोषण का एक पावरहाउस है, जिसमें विटामिन ई, मैग्नीशियम, प्रोटीन और स्वस्थ वसा जैसे 15 आवश्यक पोषक तत्व होते हैं। ये नट्स कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं जैसे कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करना और हृदय को स्वस्थ रखना, ऊर्जा के स्तर को बढ़ावा देना, मांसपेशियों की रिकवरी में सहायता करना और वजन को नियंत्रित करना और त्वचा को लाभ पहुँचाना। एक सरल, पौष्टिक नाश्ता, बादाम उन लोगों के लिए एक स्मार्ट विकल्प है जो अपने समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाना चाहते हैं। बहुप्रतीक्षित हेल्थ एम्बेसडर ऑफ द ईयर टैलेंट शो में कम से कम 100 छात्र भाग लेंगे और प्रत्येक कैंपस से 50 प्रतिभाशाली प्रतिभागी भाग लेंगे। एमिटी यूनिवर्सिटी के जयपुर,लखनऊ,नोएडा कैंपस में टैलेंट हंट के तीन आकर्षक राउंड आयोजित किए गए। फिटनेस चैलेंज में भाग लेने वाले छात्रों के बीच नियमित शारीरिक गतिविधि और टीम वर्क के महत्व पर प्रकाश डाला गया। रेसिपी क्यूरेशन राउंड ने रचनात्मकता को प्रोत्साहित किया, क्योंकि छात्रों ने स्वाद, प्रस्तुति और पोषण मूल्य के आधार पर मूल्यांकन किए गए अभिनव बादाम-आधारित व्यंजन तैयार किए। हेल्थ क्विज ने छात्रों को मजेदार और इंटरैक्टिव तरीके से एक साथ लाया, जिससे उन्हें एक स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया जजिंग पैनल में मैक्स हेल्थकेयर - नई दिल्ली की रीजनल हेड-डाइटेटिक्स रितिका समद्दर, लोकप्रिय अभिनेत्री पंखुड़ी अवस्थी और एमिटी यूनिवर्सिटी के फैकल्टी ऑफ नुट्रिशन साइंस के प्रोफेसर शेफ गौरव तिवारी शामिल थे। तीनों राउंड के मूल्यांकन के बाद, अविनाश कुमार को हेल्थ एंबेसडर ऑफ द ईयर का खिताब दिया गया। विजेता को ट्रॉफी दी गई और विजेता और उपविजेता को आलमंड बोर्ड ऑफ कैलिफोर्निया की ओर से उपहार हैम्पर्स भेंट किए गए। मैक्स हेल्थकेयर, दिल्ली की डायटेटिक्स की रीजनल हेड रितिका समद्दर ने अपना उत्साह साझा करते हुए कहा, युवा छात्रों के इतने ऊजार्वान और जिज्ञासु समूह को इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेते देखना प्रेरणादायक था। आज के युवाओं के लिए, जल्दी से एक स्वस्थ जीवन शैली अपनाना आवश्यक है, और इस तरह के आयोजन उस मानसिकता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे युवाओं को अपने स्वास्थ्य के बारे में सूचित निर्णय लेने के महत्व को समझने में मदद करते हैं। कैलिफोर्निया बादाम जैसे पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों को दैनिक आहार में शामिल करना इस दिशा में एक बड़ा कदम है। 15 आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर बादाम रक्त शर्करा प्रबंधन में सहायता करते हैं, वजन नियंत्रण में सहायता करते हैं, और समग्र स्वास्थ्य में योगदान करते हैं। चूंकि युवा लोग तनाव, खराब खान-पान की आदतों और व्यस्त कार्यक्रम जैसी बढ़ती चुनौतियों का सामना करते हैं, इसलिए ऐसे खाद्य पदार्थों का चयन करना महत्वपूर्ण है जो शरीर को पोषण देते हैं और लंबे समय तक लाभ प्रदान करते हैं। कैलिफोर्निया बादाम एक आदर्श विकल्प के रूप में काम करते हैं, जो उनके सक्रिय जीवन के लिए स्वास्थ्य लाभ और सुविधा दोनों प्रदान करते हैं। अभिनेत्री पंखुड़ी अवस्थी ने अपनी भागीदारी पर विचार करते हुए कहा, ष्युवा छात्रों के बीच स्वास्थ्य और फिटनेस को प्रोत्साहित करने वाली पहल का हिस्सा बनना अविश्वसनीय रूप से संतुष्टिदायक रहा है। फिटनेस की यात्रा की शुरूआत जल्दी करना दीर्घकालिक स्वास्थ्य की नींव है, और यह कार्यक्रम सुनिश्चित करता है कि छात्र मूल्यवान जानकारी लेकर जाएं। व्यक्तिगत रूप से, कैलिफोर्निया बादाम मेरी दिनचर्या का एक अभिन्न अंग हैं, जो कसरत के बाद मेरा पसंदीदा नाश्ता है। विटामिन ई जैसे एंटीऑक्सीडेंट सहित अपने समृद्ध पोषक तत्व प्रोफाइल के साथ, बादाम न केवल मुझे सक्रिय रखने में मदद करते हैं बल्कि स्वस्थ त्वचा और समग्र स्वास्थ्य का भी समर्थन करते हैं। एमिटी यूनिवर्सिटी लखनऊ की डीन ऑफ स्टूडेंट वेलफेयर प्रोफेसर (डॉ.) मंजू अग्रवाल ने कहा, ष्युवा पीढ़ी के बीच स्वास्थ्य और खुशी को बढ़ावा देना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। हेल्थ एंबेसडर ऑफ द ईयर टैलेंट हंट उस दिशा में एक शानदार कदम था।

मां चंद्रिका देवी मंदिर में मकर संक्रांति पर विशाल खिचड़ी भोज

लखनऊ (संवाददाता)। बीकेटी क्षेत्र में मकर संक्रांति के पावन अवसर पर विशेष खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया। कठवारा गांव स्थित मां चंद्रिका देवी मंदिर धाम में यह 19 वां वार्षिक खिचड़ी भोज था, जिसका आयोजन मंदिर मेला समिति के सदस्य जितेंद्र सिंह (कल्लू) द्वारा किया जाता है। मंगलवार को आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इसी क्षेत्र के भोलापुरवा गांव में भी एक विशेष खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया, जो राष्ट्रीय राजमार्ग लखनऊ-सीतापुर रोड पर स्थित है। यहां डॉ. सुमित अवस्थी ने अपने संस्थान के शुभारंभ के अवसर पर यह आयोजन किया। भोलापुरवा में आयोजित खिचड़ी भोज में सीतापुर के राज्यसभा सदस्य पवन सिंह चैहान सहित क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्तियों ने शिरकत की। यह आयोजन न केवल धार्मिक महत्व का था, बल्कि सामाजिक एकता का भी प्रतीक बना।

रणजी शिविर की जगह आईपीएल टीम के साथ जुड़ने से दिल्ली के विकेटकीपर रावत की मुश्किलें बढ़ी

एजेंसी

नई दिल्ली ।दिल्ली के अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज अनुज रावत अरुण जेटली स्टेडियम में चल रहे राज्य टीम के रणजी शिविर को छोड़कर सूरत में अपनी नयी आईपीएल टीम गुजरात टाइटंस के अभ्यास सत्र में शामिल हुए। दिल्ली को रणजी ट्रॉफी के दूसरे चरण में अगले दौर के अपने मैच राजकोट में सौराष्ट्र का सामना करना है। बीसीसीआई के अधिकारी जब खिलाड़ियों से लाल गेंद प्रारूप को प्राथमिकता देने की अपेक्षा कर रहे हैं तब रावत का रणजी सत्र के दूसरे चरण से एक सप्ताह पहले आईपीएल शिविर में भाग लेना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि उनकी प्राथमिकताएं क्या हैं। गुजरात टाइटंस से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, गुजरात टाइटंस सूरत में एक प्रशिक्षण शिविर के साथ आईपीएल 2025 के लिए अपनी तैयारी शुरू कर दी है। अनुज रावत, इशांत शर्मा, जयंत यादव, कुमार कुशाग्र, महिपाल लोमरोर और अरशद खान जैसे खिलाड़ियों के साथ कोच और स्पोर्ट स्टाफ से जुड़े लोग इस शिविर में शामिल हुए है। इशांत शर्मा भारतीय टेस्ट टीम में जगह के दावेदार नहीं है और ऐसे में उन्होंने डीडीसीए को बता दिया है कि वह रणजी मैच नहीं खेलेंगे। ऐसे में आईपीएल टीम के शिविर में इशांत के भाग लेने पर कोई विवाद नहीं है। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के राज्य टीम चयन समिति के संयोजक सचिव अशोक शर्मा से जब रावत के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, मुझे इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि अनुज ने आईपीएल टीम के शिविर में भाग लेने के लिए यहां जारी रणजी ट्रॉफी शिविर को छोड़ दिया है। उसे इसके लिए राज्य क्रिकेट बोर्ड से मंजूरी लेनी

चाहिए थी।। हमारे दो रणजी मैच बचे हैं और कोटला में शिविर जारी है। मुझे नहीं पता कि उन्हें रणजी ट्रॉफी शिविर में भाग न लेने की अनुमति किसने दी। पिछले साल कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के आईपीएल विजेता कप्तान श्रेयस अय्यर और ईशान किशन ने घरेलू क्रिकेट की तुलना में आईपीएल को अधिक महत्व देने के कारण बीसीसीआई का केंद्रीय अनुबंध गंवा दिया था। अय्यर और किशन ने अपनी गलती से सीख ली और मौजूदा सत्र में सभी प्रारूपों में क्रमशः मुंबई और झारखंड के लिए खेल रहे हैं। रावत ने मौजूदा रणजी सत्र में तीन मैचों में 52 के सर्वोच्च स्कोर के साथ कुल 97 रन बनाये हैं।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी 16 जनवरी से सिंगापुर, दावोस की यात्रा पर

मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी अपने मंत्रिमंडलीय सहयोगी डी श्रीधर बाबू और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ 20 से 22 जनवरी तक होने वाली विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की बैठक में शिरकत करेंगे। जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक, स्विट्जरलैंड के दावोस में होने वाली डब्ल्यूईएफ बैठक से पहले रेड्डी 16-19 जनवरी तक सिंगापुर का दौरा करेंगे।

एजेंसी

हैदराबाद । तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी अपने मंत्रिमंडलीय सहयोगी डी श्रीधर बाबू और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ 20 से 22 जनवरी तक होने वाली विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की बैठक में शिरकत करेंगे। जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक, स्विट्जरलैंड के दावोस में होने वाली डब्ल्यूईएफ बैठक से पहले रेड्डी 16-19 जनवरी तक सिंगापुर का दौरा करेंगे। वहां पर वह तेलंगाना में निवेश और प्रस्तावित कौशल विश्वविद्यालय के लिए संभावित गठजोड़ पर विभिन्न फर्मों के साथ चर्चा करेंगे। मुख्यमंत्री ने उद्योग विभाग के अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की। इसमें बताया गया कि दावोस की पिछली यात्रा के परिणामस्वरूप तेलंगाना ने 40,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आकर्षित किया है। विज्ञप्ति के मुताबिक, विभिन्न परियोजनाओं के लिए हस्ताक्षरित कुल 18 सहमति पत्रों में से 17 पर काम पहले ही शुरू हो चुका है। रेड्डी ने भरोसा जताया कि तेलंगाना की औद्योगिक नीति भविष्य में बड़े निवेश को आकर्षित करेगी।

जसप्रीत बुमराह को लेकर कपिल देव ने दिया बड़ा बयान, वर्कलोड मैनेजमेंट पर भी की बात

एजेंसी

नई दिल्ली। कपिल देव ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के साथ खुद की तुलना पर बयान दिया है। पूर्व कप्तान ने कहा कि एक पीढ़ी के खिलाड़ी की दूसरी पीढ़ी के खिलाड़ी के साथ तुलना नहीं की जा सकती। हाल ही में खेली गई बीजीटी 2024-25 के आखिरी मुकाबले के दौरान बुमराह चोटिल हुए थे। टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज कप्तान कपिल देव ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के साथ खुद की तुलना पर बयान दिया है। पूर्व कप्तान ने कहा कि एक पीढ़ी के खिलाड़ी की दूसरी पीढ़ी के खिलाड़ी के साथ तुलना नहीं की जा सकती। हाल ही में खेली गई बीजीटी 2024-25 के आखिरी मुकाबले के दौरान बुमराह चोटिल हुए थे। बुमराह ने सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन किया था और इस दौरान उन्होंने सबसे ज्यादा 32 विकेट अपने नाम किए थे। जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ

द सीरीज के खिताब से नवाजा गया था। बुमराह को मौजूदा दौरे के महान गेंदबाजों में शामिल किया जाता है। मीडिया से बातचीत करते हुए कपिल देव ने कहा कि, कृपया तुलना मत करिए। आप एक पीढ़ी की दूसरी पीढ़ी के साथ तुलना नहीं कर सकते हैं। आजकल के लड़के एक दिन में 300 रन बना देते हैं जो हमारे वक्त में नहीं होता था। इसलिए तुलना मत करिए। इसके अलावा कपिल देव ने बुमराह के वर्कलोड मैनेजमेंट पर बात करते हुए कहा कि, वर्कलोड? उन्होंने कितने ओवर डाले? कुल 150 ओवर डाले। लेकिन कितने मैच और कितनी पारियों में? पांच मैच और 9 पारियों में ठीक? और उन्होंने एक बार में 15 से ज्यादा ओवर नहीं डाले। उन्होंने स्पेल में गेदंबाजी की तो क्या ये बड़ी बात है? वर्कलोड मैनेजमेंट बकवास है। ये ऑस्ट्रेलियाई शब्द हैं, जिन्हें ऑस्ट्रेलियाई लोगों ने बनाया है।

10000 रन की उपलब्धि अलग ही बात है और भारत के खिलाफ मेरे दिमाग में यह घूमता रहा: स्मिथ

एजेंसी

सिडनी ।सिडनी में अपने घरेलू मैदान पर भारत के खिलाफ पांचवें और आखिरी टेस्ट में दस हजार टेस्ट रन पूरे करने से एक रन से चूके आस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में 10000 रन पूरे करना अलग ही बात है और भारत के खिलाफ उनके दिमाग में यह आंकड़ा घूमता रहा। स्मिथ को इस आंकड़े तक पहुंचने के लिये 38 रन की जरूरत थी लेकिन भारत के खिलाफ आखिरी टेस्ट में वह 37 रन ही बना सके। आस्ट्रेलिया ने वह टेस्ट छह विकेट से जीतकर एक दशक बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी अपने नाम की। स्मिथ ने सेन 1170 ब्रेकफास्ट शो पर कहा, मैं आंकड़ों के बारे में ज्यादा नहीं सोचता लेकिन 10000 रन अलग बात है।

ईमानदारी से कहूं तो यह मेरे दिमाग में घूम रहा था। मैच से पहले मीडिया इस बारे में इतनी बात कर रहा था क्योंकि मैं उस आंकड़े के करीब था। नंबर 38 स्मिथ के दिमाग में इतना चल रहा था कि उन्होंने मजाक में कहा कि वह जोश हेजलवुड से हमेशा इसे जोड़कर देखेंगे क्योंकि हेजलवुड का जर्सी नंबर 38 है। उन्होंने कहा, मुझे पता था कि मुझे 38 रन चाहिये। मैं उस रात सोने गया तो हेजलवुड की शर्ट का पीछे का हिस्सा मुझे दिख रहा था क्योंकि उस पर 38 लिखा है। यह अजीब था क्योंकि यह मेरे दिमाग में लगातार घूम रहा था। खुशी की बात यह है कि हम मैच जीतने में सफल रहे लिहाजा यह मायने नहीं रखता था। आस्ट्रेलियाई टीम अब दो टेस्ट की श्रृंखला के लिये श्रीलंका का दौरा करेगा जिसका पहला टेस्ट 29 जनवरी से गॉल में खेला जायेगा। स्मिथ ने कहा, सिडनी में अपने दोस्तों और परिवार के सामने इस आंकड़े तक पहुंचना शानदार होता लेकिन ऐसा हुआ नहीं। मैने कभी सोचा नहीं था कि कैरियर में इस मुकाम तक पहुंच सकूंगा लेकिन यह सपना सच होने जैसा है।

कर्मचारियो के काम के घंटों से ज्यादा उनका सशक्तीकरण महत्वपूर्ण: आईटीसी चेयरमैन

एजेंसी

नई दिल्ली । आईटीसी लिमिटेड के चेयरमैन संजीव पुरी ने सप्ताह में 90 घंटे काम करने के विवाद पर कहा है कि कर्मचारियों के लिए कामकाजी घंटे निर्धारित करने के बजाय उन्हें कंपनी के व्यापक दृष्टिकोण के साथ जोड़ना अधिक महत्वपूर्ण है। पुरी ने कर्मचारियों को निश्चित घंटों तक काम करने के सवाल पर कहा, हम ऐसा नहीं करेंगे। हम चाहते हैं कि लोग (कंपनी की) यात्रा का हिस्सा बनें और जोश से इसमें शामिल हों तथा उद्यम में बदलाव लाने की उनमें इच्छा हो...हम इसे इस तरह देखते हैं। आईटीसी सिगरेट से लेकर उपभोक्ता वस्तुओं तक के कारोबार में है। उन्होंने कहा, कंपनी लचीले कामकाजी माहौल पर जोर देती है जिसमें सप्ताह में दो दिन घर से काम करना भी शामिल है।

बीसीसीआई ने लगा सकता है खिलाड़ी और कोच पर कई पाबंदियां

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बुरी तरह सीरीज हारने का बाद की जा सकती है सख्ती

एजेंसी

नई दिल्ली। बीसीसीआई इंग्लैंड के खिलाफ करीब दो महीने लंबी टेस्ट सीरीज से पहले कुछ नए और पुराने नियमों को लागू कर सकती है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, इनमें सबसे कड़ी पाबंदी खिलाड़ियों के लिए ये है कि वे अपने परिवार को 45 दिन या इससे ज्यादा लंबे टूनार्मेंट या सीरीज के दौरान साथ नहीं रख सकते। ज्यादा से ज्यादा दो सप्ताह ही पत्नी या परिवार खिलाड़ियों के साथ रह सकता है। अगर दौरा या इवेंट छोटा है तो परिवार और पार्टनर सात दिन से ज्यादा सेम होटल में नहीं ठहरेगा। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान बल्लेबाज विराट कोहली और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह एक शहर से दूसरे शहर टीम बस की बजाय अलग-अलग वाहनों से यात्रा करते थे। इसके अलावा ज्यादातर समय टीम होटल से स्टेडियम जाने के लिए भी वे टीम बस का सहारा कम लेते थे। इन्हीं कुछ मामलों को देखते हुए बीसीसीआई सभी के लिए ये नियम लागू करने जा रही है कि सभी खिलाड़ी एक साथ टीम बस में ही ट्रेवल करेंगे। एक रिपोर्ट में तो ये भी कहा गया है कि पर्थ में मिली ऐतिहासिक जीत को भारतीय टीम ने साथ में सेलिब्रेट तक नहीं किया। इसके अलावा बोर्ड ने अब सभी को ये स्पष्ट कर दिया है कि सभी खिलाड़ी टीम बस में यात्रा करेंगे इससे टीम में एकता आएगी। कोई भी बड़ा खिलाड़ी अगल से ट्रेवल नहीं करेगा। इसके अलावा टीम के हेड का निजी मैनेजर टीम बस या टीम के पीछे चलने वाली बस में ट्रेवल नहीं कर सकता और उसे वीआईपी बॉक्स की सुविधाएं भी प्रदान नहीं की जाएंगी। इसके अतिरिक्त खिलाड़ियों पर अब ये भी पाबंदी लगाए जाने पर विचार है कि 150 किलो से ज्यादा सामान अगर वे फ्लाइट में ले जाते हैं तो इसका पैसा उनको खुद भरना होगा।

बीसीसीआई द्वारा सुझाए गए नियम

अगर टूनार्मेंट या सीरीज 45 या उससे ज्यादा दिनों तक चलती

है तो परिवार को खिलाड़ियों के साथ सिर्फ 14 दिन रहने की इजाजत होगी। पूरे टूनार्मेंट या सीरीज में पत्नियां भी खिलाड़ियों के साथ नहीं रहेंगी।

अगर कोई टूर 45 या इससे कम दिनों का है तो 7 दिन ही खिलाड़ी अपने परिवार को साथ रख सकता है।

सभी खिलाड़ियों को टीम बस में यात्रा करनी होगी।

मुख्य कोच का निजी मैनेजर नहीं करेगा टीम बस में यात्रा। वीआईपी बॉक्स की भी नहीं होगी इजाजत।

अगर खिलाड़ियों का सामना 150 किलो से ज्यादा है तो बोर्ड अतिरिक्त सामान शुल्क नहीं देगा।

डिजिटल बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के लिए प्रौद्योगिकी के जानकार कार्यबल की जरूरत: सीतारमण

एजेंसी

गांधीनगर ।केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंकों एवं शेयर बाजारों जैसे डिजिटल बुनियादी ढांचे को बाधित करने के लिए प्रौद्योगिकी के बढ़ते दुरुपयोग के बीच इन प्रणालियों की सुरक्षा के लिए प्रौद्योगिकी जानने वाले कार्यबल की जरूरत पर जोर दिया। सीतारमण ने यहां राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू) के चैथे दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ निहित स्वार्थों या नकारात्मक ताकतों द्वारा प्रौद्योगिकी का दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की वृद्धि कुछ लोगों को पसंद नहीं आ सकती है। वित्त मंत्री ने कहा कि आरआरयू से उत्तीर्ण होने वाले छात्र देश की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, जिसमें डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे की सुरक्षा भी शामिल है। उन्होंने कहा, भारत जैसे बड़े देश के लिए सुरक्षा केवल सीमाओं की देखभाल करना ही नहीं है। आज प्रौद्योगिकी सीमाओं का इंतजार नहीं करती। उत्पादकता बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी जितनी उपलब्ध है,

कुछ निहित स्वार्थों या नकारात्मक ताकतों द्वारा उसका दुरुपयोग भी किया जा रहा है। सीतारमण ने कहा कि भारत की वृद्धि कुछ लोगों को पसंद नहीं आ सकती। उन्होंने कहा, यह मानना अहम है कि भारत हमारे सभी प्रतिस्पर्धियों की नजर में बढ़ रहा है। भारत उन लोगों की नजर में भी बढ़ रहा है जो उभरते लोकतंत्र की ऐसी वृद्धि को आश्चर्यजनक मानते हैं। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी का दुरुपयोग बैंक, शेयर बाजार, भुगतान संस्थान, ई-कॉमर्स पोर्टल और कैब-बुकिंग ऐप जैसी डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना एवं प्रतिष्ठानों के लिए खतरा हो सकता है। सीतारमण ने कहा, हमें देश के भीतर ऐसे बलों की भी जरूरत है जो प्रौद्योगिकीके जानकार हों और हमारे सामने मौजूद खतरों के प्रति सचेत हों, ताकि हमारे डिजिटल बुनियादी ढांचे की रक्षा की जा सके।

आम लोगों को मिली महंगाई से थोड़ी राहत, चार महीने के निचले स्तर पर आई

एजेंसी

नई दिल्ली। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) द्वारा मापी गई भारत की खुदरा मुद्रास्फीति दर नवंबर में 5.48 प्रतिशत की तुलना में दिसंबर में चार महीने के निचले स्तर 5.22 प्रतिशत पर आ गई। इसका मुख्य रूप से खाद्य टोकरी में कीमतों में कमी बताया गया है।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति नवंबर में 5.48 प्रतिशत और दिसंबर 2023 में 5.69 प्रतिशत थी। इससे 2023 के आखिरी दो महीनों के दौरान मुद्रास्फीति में लगातार बढ़ोतरी का संकेत मिला, क्योंकि उपभोक्ताओं को विभिन्न वस्तुओं और सेवाओं के लिए ऊंची कीमतों का सामना करना पड़ा। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी सीपीआई आंकड़ों के अनुसार, खाद्य टोकरी में मुद्रास्फीति दिसंबर में घटकर 8.39 प्रतिशत हो गई। नवंबर में यह 9.04 प्रतिशत और दिसंबर 2023 में 9.53 प्रतिशत थी। एनएसओ ने कहा, ष्दिसंबर 2024 में सीपीआई (सामान्य) और खाद्य मुद्रास्फीति पिछले चार महीनों में सबसे कम है। पिछले महीने भारतीय रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति का अनुमान 4.5 फीसदी से बढ़ाकर 4.8 फीसदी कर दिया था. इसमें यह भी कहा गया है कि खाद्य कीमतों के दबाव के कारण दिसंबर तिमाही में मुख्य मुद्रास्फीति ऊंची रहने की संभावना है। सीपीआई-आधारित हेडलाइन मुद्रास्फीति जुलाई-अगस्त के दौरान औसतन 3.6 प्रतिशत से बढ़कर सितंबर में 5.5 प्रतिशत और अक्टूबर 2024 में 6.2 प्रतिशत हो गई।

ग्रेग चैपल को लेकर रॉबिन उथप्पा ने किए बड़े खुलासे

कहा- वो ड्रेसिंग रूप की बातें लीक करते थे

एजेंसी

नई दिल्ली। रॉबिन उथप्पा ने टीम इंडिया के पूर्व कोच ग्रेग चैपल को लेकर कई बड़े खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया कि ग्रेग चैपल के दौर में टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूप में क्या गलत हुआ था। ग्रेग चैपल टीम इंडिया ड्रेसिंग रूम में जानकारी लीक कर देते थे। ग्रेग चैपल जब टीम इंडिया के कोच तब ही भारत 2007 के वनडे वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज से बाहर हो गया था। रॉबिन उथप्पा ने द लल्लनटॉप को बताया कि, उस टीम का माहौल बहुत खराब था। क्रिकेट में सबसे दिलचस्प बात ये है कि अगल-अलग राज्यों, संस्कृति और घरों से 15-20 लोग एक ही लक्ष्य के लिए खेल रहे होते हैं और वह है भारत के लिए खेलना। वहीं उथप्पा ने कहा कि, इसमें एक जादू है। जब आप इसे सही कर लेते हैं तो क्रिकेट खेलने का मजा ही कुछ और होता है। हमने 2007 के टी20 वर्ल्ड कप में एक-दूसरे की

सफलता का आनंद लिया। हम एक इकाई की तरह खेले। भले ही मैं आउट हो जाऊं, लेकिन मैं चाहूंगा कि आप रन बनाएं। जाओ और हमारे लिए मैच जीतो। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन रन बना रहा है या कौन विकेट ले रहा है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने बताया कि ग्रेग चैपल भारतीय ड्रेसिंग रूम में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट संस्कृति को लागू करना चाहते थे और उन्हें वरिष्ठ खिलाड़ियों के प्रतिरोध का सामना करना पड़ा। रॉबिन उथप्पा ने कहा कि, एक युवा खिलाड़ी के रूप में ग्रेग चैपल मेरे लिए बहुत अच्छे थे। मैं तब टीम में आया ही था। मैं युवा था और वह युवाओं का समर्थन करते थे। 20 साल के खिलाड़ी के रूप में मेरा सपना भारत के लिए खेलना, भारत के लिए जीतना था। उथप्पा ने कहा कि, मुझे उम्मीद थी कि मैं भारत के लिए एक वर्ल्ड कप जीतूंगा। जब आपको देश के लिए खेलने का मौका मिलता है तो आप बॉस की तरह महसूस करते हैं कि आपको किसी और चीज की आवश्यकता नहीं है। मैं अपनी टीम के लिए सब कुछ दूंगा। मैंने इसी मानसिकता के साथ खेला। उथप्पा ने कहा कि, ग्रेग चैपल एक एजेंडा चला रहे थे। वह ऑस्ट्रेलियाई मानसिकता के साथ कोचिंग कर रहे थे, जैसे कि उनके यहां ऐसा चलता है। मुझे नहीं लगता कि उन्होंने कभी भारतीय संस्कृति का सम्मान किया। वह आए और ऑस्ट्रेलियाई संस्कृति लाने की कोशिश की। पूर्व क्रिकेटर ने ये भी बताया कि चैपल द्वारा फिटनेस पर जोर दिए जाने से भारतीय ड्रेसिंग रूप में कुछ लोगों की भावनाएं आहत हुई थीं।

अब मैच हारने पर होगी खिलाड़ियों की जेब ढीली

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भारत की हार से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड काफी नाराज है। हाल में हुई बैठक में कई अहम मुद्दों पर चर्चा की गई जिसमें टेस्ट क्रिकेट की अहमियत को बढ़ाने को लेकर भी बात हुई। वहीं बीसीसीआई चाहता है कि खिलाड़ी हार की जिम्मेदारी लें जिस कारण बोर्ड इस पर बड़ा फैसला ले सकता है। इंडियन एक्सप्रेस की खबर के मुताबिक बोर्ड ने फैसला किया है कि अब टीम की हार का असर खिलाड़ियों की जेब पर भी होगा। बैठक में सुझाव दिया गया कि खिलाड़ी को अपने प्रदर्शन और हार की जिम्मेदारी लेनी होगी। अगर किसी का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं होगा तो उनकी सैलरी में कटौती होगी। बोर्ड के अनुसार खिलाड़ी इससे और जिम्मेदार होंगे। भारतीय टीम को बीते साल न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने घर पर ही टेस्ट सीरीज में 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद जब टीम ऑस्ट्रेलिया गई तो वहां भी सीरीज 1-3 से हारी। इस सीरीज में टीम के कई स्टार बल्लेबाज रन नहीं बना पाए। पिछले साल टेस्ट क्रिकेट की लोकप्रियता बढ़ाने के लिए उन्होंने बड़ा फैसला किया था। बीसीसीआई ने साल में टेस्ट मैच खेलने वाले खिलाड़ियों के लिए इनसेंटिव देने का फैसला किया था। इसके मुताबिक जो खिलाड़ी सीजन के 50 प्रतिशत से ज्यादा मैच खेलते हैं तो उन्हें हर मैच के लिए 30 लाख रुपये का इनसेंटिव दिया जाएगा। ऐसे ही 75 प्रतिशत टेस्ट खेलने वालों को 4 लाख रुपये प्रति मैच रुपये दिए जाएंगे। उनकी कोशिश थी कि पैसों के कारण टी20 लीग की और आकर्षित हो रहे युवा खिलाड़ी टेस्ट की अहमियत भी समझें। बोर्ड ने बैठक में चर्चा की कि, खिलाड़ियों का टेस्ट मैच को खेलने के लिए इच्छाशक्ति यानी इंटेंट कम हो रहा है। उन्हें टीम की हार से फर्क नहीं पड़ रहा है। खिलाड़ी टेस्ट की जगह लीग्स को तवज्जो देने लगे हैं। बोर्ड ऐसा नहीं चाहता है।

अथिया शेट्टी ने दिखाया बेबी बंप, केएल राहुल ने शेयर की प्यारी फोटोज

भारतीय क्रिकेटर केएल राहुल ने ऑस्ट्रेलिया दौरे की कुछ यादें अपने इंस्टाग्राम अकाऊंट पर शेयर की है। इन तस्वीरों में उनकी पत्नी अथिया शेट्टी पलं भी दिखीं जोकि गर्भवती हैं। अथिया का पहली बार सार्वजनिक तौर पर बेबी बंप दिखने के बाद उनके फैंस बेहद खुश नजर आए। फैंस ने कपल को खूब शुभकामनाएं दीं। केएल राहुल साझा की गई एक तस्वीर में एक कैफे के बाहर बैठे हुए चाय का गिलास पकड़े हुए दिखाई दे रहे हैं। दूसरी तस्वीर में दो कप कॉफी और एक ब्राउनी दिखाई दे रही है, जिससे पता चलता है कि वह पत्नी अथिया शेट्टी के साथ डेट पर थे। एक प्रशंसक ने टिप्पणी की कि केएल का फैशन हमेशा शीर्ष पर है। जबकि दूसरे ने लिखा- जूनियर केएल जल्द ही आ रहे हैं। अथिया शेट्टी और केएल राहुल जनवरी 2023 में शादी के बंधन में बंधे। नवंबर 2024 में जोड़े ने घोषणा की कि वे अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं। इंस्टाग्राम पर शेयर की गई पोस्ट में उन्होंने लिखा था कि हमारा खूबसूरत आशीर्वाद जल्द ही आ रहा है। 2025. अथिया और राहुल। सुनील शेट्टी की बेटी और अभिनेत्री अथिया शेट्टी ने 2015 में निखिल आडवाणी निर्देशित फिल्म हीरो से अभिनय की शुरूआत की। वह मुबारकां और मोतीचूर चकनाचूर जैसी फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं। केएल राहुल से शादी के बाद वह फिल्मों से थोड़ा दूर ही चल रही हैं। केएल राहुल और अथिया शेट्टी के बीच रिश्तों का सबसे पहले खुलासा सोशल मीडिया पर हुआ जिसमें दोनों एक दूसरे को जन्मदिन पर बधाइयां देते नजर आए। 2021 में केएल राहुल ने अथिया की एक प्यारी तस्वीर जन्मदिन की शुभकामनाएं समेत पोस्ट कर अपने रिश्ते को कबूल लिया था। अथिया के पिता सुनील शेट्टी ने उनकी भविष्य की योजनाओं पर चर्चा करने से परहेज करके उनकी गोपनीयता का सम्मान किया। उनका प्यार तब और अधिक स्पष्ट हो गया जब अथिया भारतीय क्रिकेट टीम के विदेशी दौरों पर केएल राहुल के साथ शामिल होने लगीं। इस जोड़े ने एक साथ विज्ञापन की दुनिया में भी कदम रखा, जो उनके रिश्ते में एक और मील का पत्थर साबित हुआ। केएल राहुल ने अथिया के साथ अहान शेट्टी की फिल्म तड़प की स्क्रीनिंग में भाग लेकर शेट्टी परिवार के साथ अपनी निकटता का प्रदर्शन किया।

मेकर्स ही विनर्स तय करते हैं..शिल्पा शिंदे का शो बिग बॉस को लेकर शॉकिंग खुलासा, बोलीं- दर्शकों को उल्लू बनाते हैं

सलमान खान का कॉन्ट्रोवर्शियल शो बिग बॉस-18 लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। अब शो धीरे-धीरे अपने फिनाले की ओर बढ़ रहा है। इसी बीच टीवी एक्ट्रेस और बिग बॉस 11 की विनर रह चुकीं शिल्पा शिंदे एक चैकाने वाला खुलासा किया है और शो के मेकर्स पर दर्शकों को उल्लू बनाने का आरोप लगाया है। शिल्पा शिंदे एक वायरल वीडियो में कह रही हैं कि मुझे नहीं पता, लेकिन कुछ लोगों को यह पता चल गया है कि मेकर्स ही विनर्स तय करते हैं। वे खुद ही चुनते हैं, अपने घर से उठाकर लाते हैं और दिखाते हैं। अब चैनल की जो भी स्ट्रैटजी हो, वह लोगों को भी पता चल गई है, इसलिए लोग अब शो ज्यादा नहीं देख रहे हैं, क्योंकि आप एक हद तक किसी को उल्लू बना सकते हैं। शिल्पा के इस वीडियो पर यूजर्स खूब कमेंट्स कर रहे हैं। एक ने लिखा, श्बात तो सही है।, दूसरे ने लिखा, इसका मतलब यह है कि आपको भी मेकर्स ने ही विनर बनाया, आप डिजर्व नहीं करती थीं जितना।श, तीसरे ने लिखा, श्हां, क्योंकि हिना शो को डिजर्व करती थीं। बता दें, बिग बॉस सीजन 11 में शिल्पा शिंदे का मुकाबला हिना खान के बीच था, लेकिन शो शिल्पा शिंदे ने ही जीता था।

कंगना रनौत ने सलमान खान को बताया अपना अच्छा दोस्त, कहा-जल्द ही हम दोनों साथ काम करेंगे

कंगना रनौत इन दिनों अपनी फिल्म इमरजेंसी को लेकर चर्चा में हैं। उनकी यह फिल्म 17 जनवरी को पर्दे पर दस्तक देने जा रही है। इसी बीच, एक इंटरव्यू में कंगना ने बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात की। उन्होंने सलमान खान को अपना अच्छा दोस्त बताते हुए कहा कि दोनों को कई बार साथ काम करने का मौका मिला, लेकिन किसी कारणवश अब तक यह नहीं हो पाया। हालांकि, कंगना ने उम्मीद जताई कि भविष्य में वह सलमान के साथ काम जरूर करेंगी। इंटरव्यू में कंगना ने कहा, सलमान मेरे अच्छे दोस्त हैं। हमारे पास कई मौके आए हैं जब हम साथ काम कर सकते थे, लेकिन किसी न किसी कारणवश हम साथ नहीं काम कर पाए। मुझे पूरी उम्मीद है कि जल्दी ही हम दोनों साथ काम करेंगे। कंगना ने यह भी बताया कि सलमान खान ने उन्हें बजरंगी भाईजान फिल्म में एक रोल ऑफर किया था। कंगना ने कहा, मैं हैरान होकर उनसे पूछा था कि यह क्या रोल दिया है? इसके अलावा, कंगना ने बताया कि सलमान ने उन्हें सुल्तान फिल्म के दौरान भी संपर्क किया था, लेकिन उन्होंने वह भी ठुकरा दिया। कंगना ने मजाक करते हुए कहा, सलमान ने मुझसे कहा था, अब तुम्हें और क्या ऑफर करूं? कंगना ने यह भी कहा कि भले ही उन्होंने सलमान के कई ऑफर्स को नकारा किया, लेकिन सलमान हमेशा उनसे अच्छे से पेश आते हैं और उनसे संपर्क करते रहते हैं। इसके अलावा, कंगना ने बताया कि सलमान इमरजेंसी फिल्म देखने के लिए भी बहुत उत्साहित हैं। कंगना की फिल्म इमरजेंसी 1975 से 1977 के बीच के 21 महीने की अवधि पर आधारित है, जब भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल (इमरजेंसी) की घोषणा की थी। इस फिल्म में कंगना इंदिरा गांधी का किरदार निभा रही हैं। फिल्म 17 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मालदीव वेकेशन से बिपाशा ने शेयर की एक से बढ़कर एक तस्वीरें

बिपाशा बसु इन दिनों अपनी नन्हीं बेटी देवी और पति करण सिंह ग्रोवर के साथ मालदीव में छुट्टियां बिता रही हैं और खूबसूरत पलों को कैमरे में संजो रही हैं। साथ ही साथ वह अपने फैंस के साथ वहां की खूबसूरत तस्वीरें शेयर कर रही हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ रोमांटिक तस्वीरें शेयर की हैं। कई तस्वीरों में उनकी लाडली देवी भी क्यूट अंदाज में नजर आ रही हैं। फैंस क्यूट फैमिली की इन तस्वीरों को जमकर लाइक कर रहे हैं। कई तस्वीरों में वह सोलो पोज दे रही हैं तो कइयों में वह अपने पति करण सिंह ग्रोवर के साथ रोमांटिक अंदाज में नजर आ रही हैं। वहीं, कई तस्वीरें में कपल अपनी लाडली देवी पर प्यार लुटाता नजर आ रहा है। उनकी बेटी देवी समुद्र तट पर खेलते हुए नजर आ रही हैं। काम की बात करें तो करण सिंह ग्रोवर हाल ही में फिल्म फाइटर में नजर आए थे। यह फिल्म सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी एक एरियल एक्शन थ्रिलर है, जिसमें ऋतिक रोशन, दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर ने मुख्य भूमिकाएं निभाईं। 25 जनवरी 2024 को रिलीज हुई इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक सफलता हासिल की। वहीं, बिपाशा बसु को आखिरी बार 2020 में वेब सीरीज डेंजरस में देखा गया था। सीरीज में बिपाशा के साथ उनके पति करण सिंह ग्रोवर, सोनाली राउत, नताशा सूरी और सुयश राय जैसे कलाकार भी नजर आए थे।

बीच किनारे पति संग हुई रोमांटिक, बेटी देवी पर लुटाया प्यार..

कनाडा को मिल सकता है ट्रंप जैसा बड़बोला नेता, ट्रूडो से ज्यादा टेंशन बढ़ाएंगे पियरे पोइलिवरे !

विपक्षी कंजरवेटिव पार्टी के नेता पीयर पोइलीवर आगामी चुनाव में प्रधानमंत्री चुने जा सकते हैं। पोइलीवर की तुलना डोनाल्ड ट्रम्प से की जाती है। ट्रम्प और पोइलीवर में कई समानताएं हैं। 45 वर्षीय पोइलीवर एक कट्टरपंथी राजनीतिज्ञ हैं, जो वही कहते हैं जो वे मानते हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली। 20 जनवरी को रिपब्लिकन डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने वाले हैं। लेकिन शपथग्रहण से पहले ही ट्रंप की तरफ से लगातार ऐसे बयान सामने आते रहे हैं जो राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ाते रहे हैं। ट्रंप कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाना चाहते हैं। वो ग्रीनलैंड को अमेरिका में शामिल करना चाहते हैं। इसके साथ ही वो पनामा नहर पर कब्जा करना चाहते हैं। वहीं कनाडा में जस्टिन ट्रूडो ने इस्तीफे का ऐलान बीते सप्ताह कर दिया है। उन्होंने कहा है कि जैसे ही पार्टी उनके विकल्प की तलाश कर लेगी, वैसे ही वह पद छोड़ देंगे। ट्रूडो के कार्यकाल को विदेशी वर्कर्स और स्टूडेंट्स उनकी खराब इमिग्रेशन नीतियों के लिए याद रखेंगे। फिलहाल कनाडा में जस्टिन ट्रूडो के विकल्प की चर्चा चल रही है। अब कहा जा रहा है कि कनाडा को भी ट्रंप जैसा बड़बोला नेता मिल सकता है। क्योंकि नए पीएम की रेस में सबसे आगे कंजर्वेटिव पार्टी के नेता पियरे पोइलिवरे चल रहे हैं।

ट्रंप के जैसे नेता को मिलेगी कनाडा की कमान

विपक्षी कंजरवेटिव पार्टी के नेता पीयर पोइलीवर आगामी चुनाव में प्रधानमंत्री चुने जा सकते हैं। पोइलीवर की तुलना डोनाल्ड ट्रम्प से की जाती है। ट्रम्प और पोइलीवर में कई समानताएं हैं। 45 वर्षीय पोइलीवर एक कट्टरपंथी राजनीतिज्ञ हैं, जो वही कहते हैं जो वे मानते हैं। वे आजीवन कंजरवेटिव रहे हैं। ट्रम्प की तरह ही वे अपराध पर सख्त कानूनों के पक्षधर हैं। सरकार के खर्चों तथा टैक्स को कम करने की बात करते हैं। 2004 से सांसद रहे हैं, लेकिन उन्होंने कट्टरपंथी की छवि बनाई है। वे पत्रकारों पर हमला करते हैं। तथ्यों को तोड़ मरोड़ कर पेश करते हैं। चरमपंथियों के साथ सहानुभूति रखते हैं। वे सांस्कृतिक और सामाजिक टकराव के मुद्दों पर भी बयानबाजी करते हैं। उनके पीएम बनने से कनाडा में सांस्कृतिक और सामाजिक टकराव का जोखिम बढ़ सकता है।

इमिग्रेशन को कम कर सकते हैं

अगर पोइलीवर संसद में बहुमत हासिल करते हैं, तो वे कनाडा के प्रधानमंत्री के रूप में अत्यधिक शक्तिशाली हो सकते हैं। हालांकि, उन्हें कुछ हद तक पार्टी, अदालतों, हाउस ऑफ कॉमन्स में विपक्ष, सीनेट, अलग-अलग हित समूहों और कनाडा की जनता के दबाव का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन वे चुनावों के बीच काफी कुछ कर सकते हैं। अगर पियरे पोइलिवरे को चुना जाता है, तो वह कनाडा में होने वाले इमिग्रेशन को कम कर सकते हैं। इससे विदेशी छात्रों को मिलने वाले स्टडी परमिट में कमी देखने को मिलेगी। जिस वजह से कनाडा में पढ़ने के लिए एडमिशन और परमिट लेना छात्रों के लिए मुश्किल हो जाएगा।

कैलिफोर्निया के जंगलों में लगी आग के कारण ऑस्कर पुरस्कार के नामांकन की घोषणा में देरी

दक्षिणी कैलिफोर्निया क्षेत्र के जंगलों में लगी भीषण आग के कारण 97वें अकादमी पुरस्कार के लिए नामांकन की घोषणा को एक सप्ताह के लिए टाल दिया गया है। एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बिल क्रेमर ने बताया कि अब नामांकन की घोषणा 23 जनवरी को की जाएगी।

एजेंसी

न्यूयॉर्क । अमेरिका के दक्षिणी कैलिफोर्निया क्षेत्र के जंगलों में लगी भीषण आग के कारण 97वें अकादमी पुरस्कार के लिए नामांकन की घोषणा को एक सप्ताह के लिए टाल दिया गया है। एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज ने सोमवार को बताया कि अब नामांकन की घोषणा 23 जनवरी को की जाएगी। अकादमी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बिल क्रेमर और अकादमी के अध्यक्ष जेनेट यांग ने एक संयुक्त बयान में कहा कि हम सभी आग के प्रभाव और हमारे समुदाय में इतने सारे लोगों को हुए भारी नुकसान से स्तब्ध हैं। अकादमी हमेशा से फिल्म उद्योग को एकजुट करने वाली शक्ति रही है और हम कठिनाइयों का सामना करते हुए एक साथ खड़े रहने के लिए प्रतिबद्ध हैं। लॉस एंजिलिस क्षेत्र में आग अभी भी सक्रिय है, इसलिए फिल्म अकादमी ने अपने सदस्यों के लिए नामांकन मतदान की अवधि भी शुक्रवार तक बढ़ा दी है।

जापान के क्यूशू में महसूस किए गए भूकंप के झटके, रिक्टर स्केल पर 6.9 मापी गई तीव्रता

एजेंसी

नई दिल्ली। यूरोपियन मेडिटेरेनियन सीस्मोलॉजिकल सेंटर (ईएमएससी) के हवाले से बताया कि सोमवार को जापान के क्यूशू क्षेत्र में रिक्टर स्केल पर 6.6 तीव्रता का भूकंप आया। अभी तक किसी नुकसान, चोट या हताहत की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। ईएमएससी ने कहा कि भूकंप की तीव्रता 37 किमी की गहराई पर स्थित थी। इससे पहले मैक्सिको के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में आज सुबह 6.2 तीव्रता का भूकंप आया लेकिन गंभीर नुकसान या जनहानि नहीं हुई। अमेरिकी जियोलोजिकल सर्वे ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि भूकंप का केन्द्र एक्विला के दक्षिणपूर्व में 21 किलोमीटर की दूरी पर कोलिमा और मिचोआकेन प्रांतों की सीमा के पास 34 किलोमीटर की गहराई पर था। मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया सीनबॉम ने एक्स पर कहा कि भूकंप के बाद आपात प्रतिक्रिया दलों ने अपने प्रोटोकॉल की समीक्षा की। उन्होंने लिखा कि कोई नई घटना नहीं हुई है। मैक्सिको के सोशल सेक्युरिटी इंस्टीट्यूट ने कहा कि राजधानी मैक्सिको सिटी में किसी नुकसान की कोई खबर नहीं है। मैक्सिको की राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान सेवा ने बताया कि रविवार को स्थानीय समयानुसार सुबह नौ बजे तक भूकंप के बाद के 329 झटके महसूस किए गए। उसने कहा कि भूकंप की तीव्रता 6.1 थी। पड़ोसी किंघई प्रांत के एक अन्य काउंटी में बुधवार को 5.5 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि पिछले हफ्ते आए भूकंप में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। यह भूकंप उत्तर-पश्चिम चीन के किंघई प्रांत के गोलोग तिब्बती स्वायत्त प्रांत के मादोई काउंटी में अपराह्न तीन बजकर 44 मिनट (बीजिंग समयानुसार) पर आया। भूकंप के झटके उत्तर-पूर्वी नेपाल में भी महसूस किए गए। चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र (सीईएनसी) के अनुसार भूकंप का केंद्र 14 किलोमीटर की गहराई पर था।

ट्रंप के खिलाफ जांच करने वाले विशेष अधिवक्ता ने कहा : मेरी टीम कानून के शासन के लिए खड़ी रही

जैक स्मिथ ने अपनी एक नई रिपोर्ट में कहा है कि 2020 में हुए राष्ट्रपति चुनावों के परिणामों को डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पलटने के मामले की जांच करने वाली उनकी टीम कानून के शासन के लिए खड़ी रही। स्मिथ ने रिपोर्ट में लिखा है कि वह ट्रंप के खिलाफ आपराधिक आरोप दर्ज करने के अपने फैसले पर दृढ़ हैं।

एजेंसी

वाशिंगटन । विशेष अधिवक्ता जैक स्मिथ ने अपनी एक नई रिपोर्ट में कहा है कि 2020 में हुए राष्ट्रपति चुनावों के परिणामों को डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पलटने के मामले की जांच करने वाली उनकी टीम कानून के शासन के लिए खड़ी रही। स्मिथ ने इस रिपोर्ट में लिखा है कि वह नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ आपराधिक आरोप दर्ज करने के अपने फैसले पर दृढ़ हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें विश्वास है कि यदि मतदाताओं ने हाल में हुए चुनाव में ट्रंप को फिर से व्हाइट हाउस के लिए नहीं चुना होता तो आरोप दोषसिद्धि में बदल गए होते। रिपोर्ट के अनुसार, श्रीमान ट्रंप के सभी आपराधिक प्रयासों का सार धोखेबाजी, जानबूझकर चुनाव धोखाधड़ी के झूठे दावे करना था। और सबूतों से पता चलता है कि ट्रंप महाशय ने इन तमाम झूठ का इस्तेमाल संघीय सरकार के कामकाज को विफल करने के हथियार के रूप में किया, जो अमेरिका की लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए आधारभूत है। आगामी 20 जनवरी को ट्रंप के व्हाइट हाउस में वापसी से महज कुछ दिन पहले जारी रिपोर्ट में 2020 में सत्ता में बने रहने के लिए ट्रंप द्वारा किए गए नाकाम प्रयासों को नए सिरे से रेखांकित किया गया है। ट्रंप की चुनावी जीत के कारण अभियोजन को बंद कर दिया गया है, इसलिए यह दस्तावेज अमेरिकी इतिहास के उस काले अध्याय में न्याय विभाग का अंतिम वृत्तांत होने की उम्मीद है, जिसने सत्ता के शांतिपूर्ण हस्तांतरण को बाधित करने का खतरा पैदा कर दिया था। न्याय विभाग ने मंगलवार को कांग्रेस को रिपोर्ट प्रेषित की। इससे पहले एक न्यायाधीश ने इसे जारी करने पर रोक लगाने से मना कर दिया था। ट्रंप के चुनावी नतीजे पलटने के प्रयासों का अधिकतर ब्योरा पहले ही विदित है, लेकिन इस रिपोर्ट में पहली बार जांच के बारे में स्मिथ का विस्तृत आकलन शामिल किया गया है। जांच को राजनीतिक बताने वाले ट्रंप और उनके सहयोगियों की आलोचनाओं के खिलाफ स्मिथ का बचाव भी इस रिपोर्ट में है। स्मिथ ने रिपोर्ट के साथ अटॉर्नी जनरल मैरिक गारलैंड को एक पत्र भी लिखा। इसमें उन्होंने कहा, हम मामलों को सुनवाई के लिए नहीं ला पाए, लेकिन फिर भी मेरा मानना घ्है कि हमारी टीम द्वारा कानून के शासन के लिए खड़ा रहना मायने रखता है। मेरा मानना है कि हमारी टीम ने निजी हितों को छोड़कर न्याय की खातिर लड़ने के लिहाज से अन्य लोगों के लिए एक मिसाल पेश की है।

एलएसी पर टैंक लेकर पहुंचा चीन, आर्मी चीफ ने भी दिया बड़ा बयान

एजेंसी

नई दिल्ली। एलएसी पर तनाव के बाद भारत-चीन पक्ष को लेकर भारत ने कई बार अपने तरफ से बयान दिया है। चीन ने भी इस बात को स्वीकार किया है कि भारत और चीन के बीच में स्थिति सामान्य की तरफ लौट रहे हैं। लेकिन अब तक भारी भरकम सेना की सीमा पर मौजूदगी खतरे को खत्म नहीं होने दे रही। सैन्य उपस्थिति उस खतरे को लगातार कायम रख रही है जो पिछले चार सालों से गहराता रहा है। इसी लेकर जब भारतीय सेना प्रमुख से भी सवाल पूछा गया तो उन्होंने भी इस बात को स्वीकारा की स्थिति संवेदनशील और स्थिर है। अक्टूबर 2024 के बाद से भारत और चीन ने डिसइंगेजमेंट की ओर बढ़ने की अपनी कोशिशों को और तेज करना शुरू कर दिया। लेकिन सबसे बड़ा सवाल ये कि वो भारत और चीन की सेना जो विभिन्न प्लाइंट्स से पीछे तो हट गई हैं। लेकिन अब भी भारी भरकम सेना का वहां मौजूद रहना कई सवालों को खड़ा कर रहा है। इन सब के बीच एलएसी के पास चीन की तरफ से किया गया वो ड्रिल जो कहीं न कहीं सवालों को फिर खड़ा कर रहा है। चीन द्वारा किया गया युद्धाभ्यास और उसके बीच में आया भारतीय सेना प्रमुख का बयान बेहद महत्वपूर्ण है। इस युद्धाभ्यास में ड्रोन, टैंक और आर्मर्ड इन्फेंट्री फाइटिंग व्हीकल को भी उतारा गया। भारतीय सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी ने आगामी सेना दिवस से पहले अपनी वार्षिक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि जहां तक घ्घातिरोध का सवाल है, हमें यह देखना होगा कि अप्रैल 2020 के बाद सब कुछ बदल गया है। दोनों पक्षों ने इलाके (तैनाती और निर्माण के माध्यम से) में हेरफेर किया है, बिलेटिंग निर्माण किया है और स्टॉकिंग और तैनाती हुई है। इसका मतलब है कि कुछ हद तक गतिरोध है। एलएसी पर स्थिति पर एक सवाल के जवाब में द्विवेदी की टिप्पणी भारतीय सेना और चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) द्वारा एक अंतराल के बाद लद्दाख के देपसांग और डेमचोक में अपनी गश्त गतिविधियों को फिर से शुरू करने के ढाई महीने बाद आई। भारत और चीन द्वारा देपसांग और डेमचोक में अपने गतिरोध को हल करने के लिए बातचीत में सफलता की घोषणा के दो दिन बाद 23 अक्टूबर, 2024 को दोनों क्षेत्रों में विघटन शुरू हुआ, जो लद्दाख में आखिरी दो फ्लैशप्वाइंट थे जहां दोनों सेनाएं आमने-सामने थीं। सेना प्रमुख ने कहा कि अप्रैल 2020 के बाद हुए घटनाक्रम के बाद

एलएसी के दोनों किनारों पर बदले परिदृश्य के बाद दोनों देशों के बीच विश्वास की एक नई परिभाषा होनी चाहिए। हमारे लिए एक साथ बैठने और व्यापक समझ बनाने की आवश्यकता है कि हम किस तरह से स्थिति को शांत करना चाहते हैं और विश्वास बहाल करना चाहते हैं। इसलिए, अब हम सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधियों और भारत-चीन सीमा मामलों पर परामर्श और समन्वय के लिए कार्य तंत्र (डब्ल्यूएमसीसी) की अगली बैठक की प्रतीक्षा कर रहे हैं और हम उनके मार्गदर्शन के आधार पर आगे बढ़ेंगे। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग यी लगभग पांच वर्षों में अपनी पहली औपचारिक वार्ता के लिए 18 दिसंबर, 2024 को बीजिंग में मिले।

सबसे बड़े मुस्लिम देश के राष्ट्रपति का विमान भारत ने मुड़वाया, पाकिस्तान की जगह मलेशिया जाएंगे प्रबोवो सुबियांतो

एजेंसी

नई दिल्ली। 26 जनवरी की परेड से पहले भारत ने एक बड़ा खेल कर दिया है। दावा किया जा रहा है कि भारत ने सबसे बड़े मुस्लिम देश इंडोनेशिया के राष्ट्रपति का विमान मुड़वा दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस बार 26 जनवरी पर इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो चीफ गेस्ट के तौर पर आ रहे हैं। लेकिन मजे की बात ये है कि भारत ने अभी तक इस पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। ऐसा पहली बार हो रहा है कि अभी तक 26 जनवरी के चीफ गेस्ट के नाम की घोषणा आधिकारिक तौर पर नहीं हुई है। 2024 पर नजर डालें तो फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को चीफ गेस्ट के तौर पर बुलाया गया था। लेकिन इमैनुएल मैक्रों के नाम की घोषणा दिसंबर में ही कर दी गई थी। इसी तरह 2023 में मिस्र के राष्ट्रपति अब्दुल फतेह अल सिसि को बुलाया गया था। अब्दुल फतेह अल सिसि के नाम की घोषणा तो दो महीने पहले नवंबर में ही कर दी गई थी। लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। आपको बता दें कि यहां पर पाकिस्तान ने बहुत ही गंदा खेल खेलने की कोशिश की है। लेकिन उसके बाद भारत ने जो किया वो हैरान करने वाला है। पाकिस्तानी मीडिया ने दावा किया कि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो भारत में गणतंत्र दिवस की परेड में हिस्सा लेने के तुरंत बाद पाकिस्तान आएंगे। वो पाकिस्तान में दो दिनों तक रहेंगे। लेकिन ये बात भारत को पसंद नहीं आई। सूत्रों के मुताबिक पाकिस्तानी मीडिया के दावों को गंभीरता से लेते हुए भारत ने शायद ये मुद्दा इंडोनेशिया के साथ उठा दिया। सूत्रों के मुताबिक मोदी सरकार ने कहा है कि भारत और पाकिस्तान को एक तराजू पर मत तौलिए। भारत ने बुलाया है तो अभी सिर्फ भारत आइए। पाकिस्तान के बारे में मत सोचिए। अब खबर आ रही है कि प्रबोवो सुबियांतो पाकिस्तान नहीं जाएंगे।

अब हम पहले जैसे नहीं, हर कोई अब हमें दोस्त बनाने में लगा, जयशंकर ने स्पेन में किया भारत के प्रभुत्व का जिक्र

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच बढ़ते संबंधों की सराहना की है। स्पेन के विदेश मंत्री जोस मैनुअल अल्बेरेस के साथ मैड्रिड में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान, विदेश मंत्री ने भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंधों में मजबूत प्रगति और बहुमुखी विकास पर प्रकाश डाला। जयशंकर ने साझा किया कि स्पेन के विदेश मंत्री द्वारा एक वैश्विक सम्मेलन में देश के राजदूतों को संबोधित करने के लिए उनका निमंत्रण एक ऐतिहासिक क्षण है। उन्होंने कहा कि यह पहली बार है कि किसी विदेशी राजदूत को स्पेन के वैश्विक राजदूतों को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया गया है। इस पर विचार करते हुए उन्होंने टिप्पणी की कि यह निमंत्रण विश्व मंच पर भारत की स्थिति के महत्व को दशार्ता है। जब कोई विदेश मंत्रालय और दूसरे देश के राजदूत आपसे आकर उनसे बात करने के लिए कहते हैं, तो यह सोचने लायक है कि क्यों। जयशंकर ने कहा, आज भारत की स्थिति बहुत महत्वपूर्ण है। विदेश मंत्री ने भारत की आर्थिक ताकत और नेतृत्व पर प्रकाश डाला और देश को वैश्विक बातचीत में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया। उन्होंने कहा कि आज, हम पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं, तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं। जयशंकर ने दुनिया भर में देश की बढ़ती पहचान पर जोर देते हुए भारत के वैश्विक प्रभाव का श्रेय उसकी क्षमताओं और विचारों को दिया। जयशंकर ने विविध देशों के साथ जुड़ने और

परस्पर विरोधी हितों वाले देशों के बीच बातचीत को सुविधाजनक बनाने की भारत की क्षमता पर चर्चा की। रूस और यूक्रेन से बात करने की स्थिति में बहुत कम देश हैंय इजराइल और ईरानय क्वाड और ब्रिक्स के सदस्य होने के नाते। पीएम मोदी दोनों करने में सक्षम हैं। उन्होंने भारत की अद्वितीय राजनयिक पहुंच का जिक्र करते हुए टिप्पणी की। उन्होंने वैश्विक चुनौतियों से निपटने में भारत के ष्सबका साथ, सबका विकासष् के सिद्धांत पर भी जोर दिया, एक ऐसा दर्शन जिसकी दुनिया सराहना करती आई है।

रूस-यूक्रेन युद्ध के मोर्चे पर लड़ते हुए मारे गए भारतीय घर वापस लाने के लिए गुहार लगा रहे थे परिजन

एजेंसी

नई दिल्ली। यूक्रेन के साथ देश के युद्ध की अग्रिम पंक्ति पर रूसी सेना में लड़ रहे केरल के एक युवक की मौत हो गई है, जबकि उसके रिश्तेदार को गंभीर चोटें आई हैं। मृतक की पहचान केरल के त्रिशूर जिले के वाडाकनचेरी निवासी 32 वर्षीय बिनिल टी बी के रूप में की गई है। घायल की पहचान 27 वर्षीय जैन टी के के रूप में हुई है, जो उसी क्षेत्र का रहने वाला है। कुछ दिन पहले बिनिल के परिवार को संदेश मिला कि ड्रोन के हमले में दो लोग घायल हो गए हैं, लेकिन वे उनसे संपर्क स्थापित नहीं कर सके। दोनों व्यक्तियों के एक रिश्तेदार सनीश ने कहा कि बिनिल की पत्नी जॉयसी, जो मॉस्को में भारतीय दूतावास के संपर्क में हैं। जब उसने अधिकारियों को फोन किया, तो उन्होंने मौखिक रूप से पुष्टि की कि बिनिल की मृत्यु हो गई है। अधिकारियों ने कहा कि उन्हें रूसी सेना से इस संबंध में जानकारी मिली है। अनिवासी केरलवासियों के मामलों के लिए राज्य सरकार की एजेंसी, छव्ज्ञ। त्व्ज्ै के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजित कोलास्सेरी ने कहा कि हमने घटना के बारे में सुना है। हम विदेश मंत्रालय से अंतिम पुष्टि का इंतजार कर रहे हैं।

दैनिक जनस्पर्श

स्वामी,प्रकाशक शिशिर कुमार श्रीवास्तव एवं मुद्रक फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्य,बक्शीपुर,गोरखपुर से मुद्रित,एवं इलाहीबाग,जिला गोरखपुर उ0प्र0-273001 से प्रकाशित।

E-mail- samachr.jansparsh@gmail.com

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।

सम्पादक

शिशिर कुमार श्रीवास्तव

मो0-7007463399